RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

शनिवार 10 मई 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :34 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 03 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 लंबी लड़ाई को खत्म करने की कोशिश

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 204 | गाजियाबाद, शनिवार 10 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सैनिकों के सम्मान में कांग्रेस ने निकाली 'जय हिंद यात्रा'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने पहलगाम हमले के आरोपियों को सजा देने के लिए की जा रही सैन्य कार्रवाई में सेना के जवानों का मनोबल बढ़ाने तथा पाकिस्तान के खिलाफ सरकार का एकजुट होकर समर्थन करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को 'जय हिंद यात्रा'निकाली।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने यहां जंतर मंतर पर यात्रा का आयोजन किया जिसमें कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष, अजय माकन, सचिन पायलट, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी कांजी निजामुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला सहित कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करते हुए यहां 'जय हिंद यात्रा' निकाली। इससे पहले पार्टी प्रवक्ता रागिनी नायक ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने और भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए पार्टी ने सभी प्रदेशों में 'जय हिंद यात्रा'निकालने का ऐलान किया है।

राजस्थान में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस ने यात्रा निकाली और कहा," हमारी सेना पाकिस्तान की नापाक हरकत को नाकाम कर रही है।आतंकवादियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को बख्शा नहीं जाएगा। भारत के खिलाफ हर साजिश की उसे कीमत चुकानी होगी। कांग्रेस कार्यकर्ता इस घड़ी में सेना के

साथ खड़े हैं।"

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अपने सशस्त्र बलों के समर्थन में 'जय हिंद यात्रा' निकाली जा रही है और कांग्रेस का हर सदस्य अपने वीर नायकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

देश के बहादुर सैनिकों के साथ एकजुटता दिखाते हुए अरुणाचल कांग्रेस ने ईटानगर के राजीव गांधी भवन में 'जय हिंद यात्रा' का आयोजन किया। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा ," पार्टी संकट के समय एकजुट है और सशस्त्र बलों का समर्थन करती है, जो बहादुरी से हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।"

नागालैंड में एस एस जमीर के नेतृत्व में, नागालैंड कांग्रेस ने 'जय हिंद यात्रा' शुरू की, जिसमें हमारे रक्षा बलों का सम्मान किया गया और उनके अद्वितीय साहस और बलिदान के लिए उन्हें सलाम किया गया।''

उत्तराखंड कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष करन महरा के नेतृत्व में पाकिस्तान की कायराना हरकत के खिलाफ सेना का मनोबल बढाने के लिए जय हिंद यात्रा निकाली और कहा कि पाकिस्तान माफी के काबिल नहीं है। भारतीय सेना उसके दुस्साहस का मुंहतोड़ जबाव दे रही है और उसके नापाक इरादों को मिट्टी में मिला रही है।

प्रदेश कांग्रेस ने अपने जांबाजों की वीरता को सलाम किया है। मणिपुर कांग्रेस के अध्यक्ष के मेघचंद्र सिंह के नेतृत्व में बहादुर सैनिकों के सम्मान में 'जय हिंद यात्रा' निकाली जिसमें विधायक दल के नेता ओकराम इबोबी सिंह, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य गैखंगम और अन्य नेता भी मौजूद थे।

असम में प्रदेश अध्यक्ष भूपने बोरा के नेतृत्व में आज भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में 'जय हिंद यात्रा' निकाली गई। इस यात्रा ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमारे अटूट समर्थन को प्रदर्शित किया।

भारत पाक तनाव में निवेशकों के डूबे सात लाख करोड़ से अधिक

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की आतंकी कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न युद्ध जैसी स्थिति से हतोत्साहित निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में की जा रही बिकवाली से पिछले दो दिनों में निवेशकों के सात लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गये हैं।

सात मई को देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई का बाजार पूंजीकरण 42350633.78 करोड़ रुपये था जो गुरूवार को हुयी बिकवाली के दबाव में घटकर 41850596.04 करोड़ रुपये पर आ गया था और शुक्रवार को यह गिरावट लेकर 41640850.46 करोड़ रुपये पर आ गया। इस तरह से निवेशकों के 709783.32 करोड़ रुपये डूब गये। गुरूवार को सतर्क निवेशकों द्वारा स्थानीय श्तर पर की गयी चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 411.97 अंक अर्थात 0.51 प्रतिशत का गोता लगाकर 80,334.81 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.60 अंक यानी 0.58 प्रतिशत लुढ़ककर 24273.80 अंक पर आ गया था।

शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव से डरे निवेशकों की स्थानीय श्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार में कोहराम मच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 880.34 अंक अर्थात 1.10 प्रतिशत का का गोता लगाकर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक श्तर से नीचे 79,454.47 अंक पर आ गया।

बलूचिस्तान की स्वतंत्रता का ऐलान कहा-यूएन की मान्यता के बाद दिल्ली में खोलेंगे दूतावास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने पाकिश्तान को सबक सिखाया और बलूचिश्तान खुशियों से झूम उठा। खुशी इतनी कि बलूचिश्तान को आजादी का ऐलान तक कर दिया। प्रसिद्ध बलूच लेखक और कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिश्तान से बलूचिश्तान की स्वतंत्रता का ऐलान किया है और भारत सरकार से नई दिल्ली में बलूच दूतावास खोलने की अनुमति मांगी है। <

मीर यार बलूच को बलूच लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाना जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्टों के जरिए यह घोषणा की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिश्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाकिश्तान की सेना को क्षेत्र छोड़ने का आग्रह किया।यह बयान तब आया जब भारत और पाकिश्तान के बीच हालिया झड़पों ने गंभीर रूप ले लिया है।

भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिश्तानी ड्रोन्स और मिसाइलों को मार गिराया साथ ही पाकिश्तानी लड़ाकू विमानों और एक एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम को भी तबाह कर दिया। इस बीच मीर यार बलूच ने दावा किया कि बलूच स्वतंत्रता सेनानियों ने डेरा बुगती में पाकिश्तान के गैस क्षेत्रों पर हमला किया, जहां 100 से अधिक गैस कुएं स्थित हैं। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमने अपनी स्वतंत्रता का ऐलान कर दिया है। पाकिश्तान के पतन की घड़ी निकट है। हम भारत से

अनुरोध करते हैं कि बलूचिश्तान को नई दिल्ली में अपना आधिकारिक कार्यालय और दूतावास खोलने की अनुमति दी जाए। उन्होंने आगे लिखा, हम संयुक्त राष्ट्र से अनुरोध करते हैं कि वे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ बलूचिश्तान की स्वतंत्रता को मान्यता दें और सभी सदस्य देशों की बैठक बुलाकर समर्थन दें।

बलूच ने मांग की कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन तुरंत बलूचिश्तान भेजे और पाकिश्तान की सेना को वहां से हटने के आदेश दे। उनका कहन था, पाकिश्तान की सेनाएं, अर्धसैनिक बल, पुलिस, आईएसआई, और प्रशासन में कार्यरत सभी गैर-बलूच अधिकारी तुरंत बलूचिश्तान छोड़ें।

बलूचिश्तान की नई सरकार के लिए उन्होंने कहा, स्वतंत्र बलूचिश्तान की नई सरकार का गठन शीघ्र। कैबिनेट में बलूच महिलाओं की भागीदारी हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, ऐ नापाकिश्तान, अगर तुम्हारे पास सेना है तो हमारे पास भी बलूच सेना है।

आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट ब्लॉक, भारत के खिलाफ फर्जी खबरें फैलाने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत ने पाकिश्तान को चौतरफा घेर के रखा है। उसे कहीं से कोई राहत नहीं मिल रही है। जो जहां गड़बड़ी करता है या अफवाह फैलाता है उस पर तत्काल एक्शन हो जाता है। ऐसे ही फर्जी खबरें चलाने के आरोप में इंटरनेशनल न्यूज ऑर्गनाइजेशन समेत 8 हजार से अधिक एक्स अकाउंट बंद किए गए है। एक्स ने यह दावा अपने ग्लोबल गवर्नेंस अफेयर्स अकाउंट के जरिए किया है। प्लेटफॉर्म ने कहा कि हम इससे सहमत नहीं हैं, ये पोस्ट और अकाउंट सिर्फ भारत में नहीं दिखेंगे। ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि भारत सरकार ने ऐसे अकाउंट्स और पोस्ट्स को बैन करने के आदेश जारी किए हैं, जो फर्जी खबरें, पाकिश्तान के लिए प्रोपेगैंडा और भारत विरोधी कंटेंट (टेक्स्ट, फोटो और वीडियो) फैला रहे हैं। सरकार का कहना है कि ये कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई है। कुछ अकाउंट्स पर भारत में अस्थिरता फैलाने और गलत सूचना प्रसारित करने का आरोप है।

नक्सलियों ने छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा की

✷ वेबवार्ता. बीजापुर ✷। छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य में नक्सलियों ने छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा कर दी है। तेलुगु कैडर के नक्सली और नक्सल संगठन के प्रवक्ता जगन ने प्रेस नोट जारी कर युद्धविराम का ऐलान किया है। जगन ने तेलुगु भाषा मे प्रेस नोट जारी किया है। जिसमें लिखा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और कविता ने भी शांति वार्ता के लिए पहल की थी। ये गर्व की बात है। शांति वार्ता के लिए शांति समिति का भी गठन किया गया था। उन्होंने लिखा कि राज्य के कई बुद्धिजीवी वर्ग और मशहूर हश्तियां इसी मुद्दे पर अभियान चला रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया को राज्य और देश में लोकतांत्रिक माहौल लाने के प्रयास के रूप में समझा जाना चाहिए। इन प्रयासों को सकारात्मक प्रभाव देने के लिए छह महीने तक युद्धविराम की घोषणा कर रहे हैं। सरकार से शांति वार्ता के लिए नक्सलियों ने अब तक कुल 4 पत्र जारी किए है।

महबूबा ने भारत-पाक से बातचीत के जरिये तनाव कम करने की अपील

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को भारत और पाकिश्तान के नेतृत्व से सैन्य कार्रवाई का सहारा लेने की बजाय बातचीत के जरिये बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की। सुश्री मुफ्ती ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "बहुत खून बह चुका है। अब इसे यहीं रुक जाना चाहिए। सैन्य कार्रवाई कोई समाधान नहीं है। इससे लक्षणों को दूर किया जा सकता है , लेकिन बीमारी का जड़ से इलाज नहीं होता।" उन्होंने नागरिकों - खासकर महिलाओं, बच्चों तथा बुजुर्गों के लिए गहरी चिंता व्यक्त की - जो सीमा पार झड़पों का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा, "लोग अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं। हमारे कई लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं।"

सरकार ने डिफेंस इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को दिल्ली बुलाया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत-पाकिश्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच, भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर बाबासाहेब नीलकंठ कल्याणी ने कहा कि सरकार ने डिफेंस इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को दिल्ली बुलाया है। उन्होंने यह बात इस सवाल के जवाब में कही। भारत फोर्ज लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 1132 रुपए पर पहुंच गए हैं। भारत फोर्ज लिमिटेड के सीएमडी ने कहा कि हमें अगले हफ्ते दिल्ली बुलाया गया है, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं बता सकता।

बैंकों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पाकिश्तान सीमा पर तनाव से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के बीच शुक्रवार को सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों तथा बीमा कंपनियों को किसी भी स्थिति या संकट से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के निर्देश दिये।

श्रीमती सीतारमण ने बैंकिंग क्षेत्र की परिचालन और साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये। इस बैठक में इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसे डिजिटल अनुप्रयोग को लेकर साइबर सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की गयी।

इसमें सरकारी और निजी बैंकों तथा बीमा कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सीईओ ने भाग लिया। वित्तीय सेवा विभाग , वित्त मंत्रालय, सीईआरटी इन, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय बीमा एवं विकास विनियमाक प्राधिरकण और एनपीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र की परिचालन और साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान श्रीमती सीतारमण ने भू-राजनीतिक तनाव और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सभी बैंकों को किसी भी स्थिति या संकट से निपटने के लिए पूरी तरह से सतर्क और तैयार रहने का निर्देश दिया, ताकि देश भर में नागरिकों, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने दोहराया कि भारत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, और उन्होंने कहा कि देश की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली मजबूत और लचीली बनी हुई है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि बैंकिंग सेवाएं, भौतिक और डिजिटल दोनों, बिना किसी व्यवधान और गड़बड़ी के काम करनी चाहिए और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल को अपडेट और परखा जाना चाहिए।

उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के आसपास की शाखाओं में काम करने वाले बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की और बैंकों को सुरक्षा एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय करके उनकी पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दिल्ली के हर जिले में 54 साल बाद लगेंगे सायरन

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान की जंग के 54

वर्ष बाद दिल्ली में जंगी सायरन लग रहे हैं। दिल्ली के हर एक जिले में 10 सायरन लग रहे हैं। पांच किलोमीटर तक इनकी आवाज सुनाई देगी। बताया गया कि मेट्रो स्टेशन, आवासीय परिसर समेत कई जगह पर यह सायरन लग रहे हैं। ईस्ट जिले की पांच लोकेशन तय हुआ है।

बताया गया कि सात मई को हुई मॉक ड्रिल में इस तरह से सायरन बजाए गए थे, जिनकी आवाज 100 मीटर दूर भी नहीं गई थी। कुछ दिनों पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश में पाकिस्तान से जंग के हालात बने हुए हैं। वर्ष 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान यमुनापार के लोगों ने जंगी सायरन की आवाज सुनी थी। जैसे तैसे करके उस वक्त भी सायरन बजाए गए थे। 54 साल बाद भी यहां व्यवस्थाएं नहीं बदली हैं। यहां अभी भी जंगी सायरन व पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम नहीं है। माकड्रिल आधी अधूरी तैयारियों के साथ की जाएगी। पोर्टेबल स्पीकर पर जंगी सायरन का आडियो चलाकर माकड्रिल में अलर्ट किया जाएगा। उसी स्पीकर पर अनाउंसमेंट की जाएगी। पुरानी जंग से सबक लेकर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपात स्थिति में पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम व जंगी सायरन को मजबूत नहीं कर सका है। पाकिस्तान द्वारा हवाई हमले की आशंका को भांपते हुए बुधवार को 15 स्थानों पर माकड्रिल होगी।

बाज नहीं आ रहा पाक, तुर्किए के ड्रोनों से भारतीय ठिकानों पर हमले की कोशिश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने कहा है कि पाकिस्तान ने गुरूवार शाम को एक बार फिर भड़काने वाली नापाक हरकत करते हुए भारतीय सीमाओं का उल्लंघन किया तथा तुर्किए के करीब 300 से 400 ड्रोन से भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने तथा 36 जगहों पर घुसपैठ की असफल कोशिश की जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने करारा जवाब दिया और पाकिस्तान के चार वायु रक्षा ठिकानों पर जोरदार कार्रवाई की।

भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने हमले के दौरान जानबूझ कर नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया और नागरिक विमानों का ढाल के रूप में इश्तेमाल किया।

साथ ही भारत ने ननकाना साहिब गुरूद्वारे पर हमले के पाकिस्तान के आरोप को भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के भ्रामक दुष्प्रचार से पाकिस्तान भारत में सांप्रदायिक विवाद पैदा करना चाहता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, सेना की कर्नल सौफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने शुक्रवार शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पहलगाम हमले के बाद सशस्त्र सेनाओं द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। कर्नल कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने गुरूवार रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के इरादे से पश्चिमी सीमा पर कई बार भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया।

पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर के हथियारों से भी गोलीबारी की और 36 स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश करने के लिए लगभग 300 से 400 ड्रोन का इश्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र

बलों ने स्थिर और गतिशील हथियार प्रणाली का उपयोग करके कई ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा कि हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य वायु रक्षा प्रणालियों का परीक्षण करना और खुफिया जानकारी एकत्र करना था। अधिकारी ने कहा कि ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्किए के अस्सिगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।

विंग कमांडर सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने दोगला रवैया अपनाते हुए भारत में असफल ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नागरिक विमानों को ढाल के रूप में इश्तेमाल कर रहा है जबकि उसे अच्छी तरह पता है कि भारत उसके हमले का कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों सहित अनजान नागरिक विमानों की सुरक्षा को भी दाव पर लगा दिया। उन्होंने कहा कि घोषित बंद के कारण भारतीय पक्ष का हवाई क्षेत्र नागरिक हवाई यातायात के लिए पूरी तरह बंद था लेकिन कराची और लाहौर के बीच हवाई मार्ग पर नागरिक एयरलाइनों की उड़ान जारी रही। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने जवाबी कार्रवाई में काफी संयम दिखाया जिससे अंतरराष्ट्रीय नागरिक वाहकों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

पाक की तरफ से मिसाइल हमलों के बाद भारत के ये 24 एयरपोर्ट बंद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण, उत्तर भारत के 24 एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं।

पाकिस्तान द्वारा की गई मिसाइल हमलों के बाद यह कदम उठाया गया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के कई शहर प्रभावित हुए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह कदम सुरक्षा कारणों से उठाया है और उड़ानों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर फ्लाइट्स पर भी पड़ा है। देश के 24 एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया है।

गुरुवार की रात पाकिस्तान ने सीमा से सटे भारतीय राज्यों पर जमकर बमबारी की, लेकिन भारत ने सभी मिसाइलों को नाकाम कर दिया। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के कई शहर अंधेरे में डूबे दिखे। तनाव को देखते हुए सरकार ने कई शहरों में रेड अलर्ट जारी किया है।

इस बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। इस फैसले के मुताबिक, उत्तर भारत के 24 एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स को अगले आदेश तक सस्पेंड कर दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार की तरफ से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर के तहत उठाए गए एहतियाती उपायों का हिस्सा है।

इस ऑपरेशन के तहत सेना ने पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के जवाब में बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे।

संक्षिप्त समाचार

आईएमए की महाराष्ट्र इकाई ने चिकित्सकों से आपात स्थिति के लिए तैयार रहने का आग्रह किया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय चिकित्सा संघ की महाराष्ट्र इकाई ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर राज्य के चिकित्सकों से नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह तत्पर रहने का आग्रह किया है। आईएमए की राज्य इकाई के अध्यक्ष डॉ. संतोष कदम ने एक बयान में कहा, ''राष्ट्रीय संकट के क्षणों

में हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की ताकत केवल बुनियादी ढांचे में नहीं, बल्कि इसके चिकित्सकों की तत्परता और (सेवा) भावना में निहित है।''
बृहस्पतिवार देर शाम जारी किए गए परामर्श में बड़े पैमाने की आपात स्थिति में त्वरित एवं समन्वित चिकित्सा प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सात–सूत्रीय तैयारी संबंधी रणनीति की रूपरेखा दी गई है। आईएमए ने सभी सदस्य क्लीनिक, नर्सिंग होम और अस्पतालों को आवश्यक आपातकालीन दवाइयों, पट्टी करने के लिए आवश्यक सामग्रियों और जीवन रक्षक दवाइयों का भंडार रखने का निर्देश दिया है। उसने प्रत्येक शाखा में आपदा प्रबंधन कार्यबल स्थापित करने की भी सिफारिश की है।

भोपाल में आयोजित होगा 10वां वार्षिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कॉन्फ्रेंस वैसोकॉन 2025

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल इस सप्ताहांत एक प्रतिष्ठित चिकित्सा आयोजन की मेज़बानी करने जा रही है। 10 और 11 मई को होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित होने जा रही वैसोकॉन 2025 नामक दो दिवसीय वार्षिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कॉन्फ्रेंस में देशभर से वरिष्ठ डॉक्टर, शोधकर्ता और विशेषज्ञ जुटेंगे। यह आयोजन भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं गैस्ट्रोकेयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया जा रहा है और इसमें गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एवं लिवर से जुड़ी जटिल वेसकुलर स्थितियों पर चर्चा की जाएगी। इस कॉन्फ्रेंस में इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एम पी चैप्टर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ग्रेटर भोपाल ब्रांच, इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (एमपी चैप्टर), एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन एम पी चैप्टर, भोपाल हेमेटोलॉजी सोसाइटी और भोपाल सर्जन क्लब का सहयोग प्राप्त है। आयोजन गैस्ट्रोकेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और संबद्ध रोगों की जानकारी एवं शोध को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रमुख संगठन है।

मुख्यमंत्री स्टालिन 10 मई को सशस्त्र बलों के समर्थन में रैली का नेतृत्व करेंगे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन शनिवार को चेन्नई में सशस्त्र बलों के समर्थन में निकाली जाने वाली एक रैली का नेतृत्व करेंगे। यह रैली हाल ही में पाकिस्तान की ओर से बढ़ते आतंकी हमलों और सीमा उल्लंघनों के बीच देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने शुक्रवार को जानकारी दी कि यह रैली शाम पांच बजेपुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय से शुरू होकर आइलैंड ग्राउंड्स के पास स्थित वॉर मेमोरियल तक जाएगी।
स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान ने न केवल अपने लिए संकट खड़ा किया है, बल्कि भारत के खिलाफ लगातार उल्लंघन कर रहा है। ऐसे समय में भारतीय सेना बहादुरी से हमारी रक्षा कर रही है। अब समय है कि हम अपनी सेना के साथ खड़े हों और उनका समर्थन करें।

तनाव के बीच मुंबई में अलर्ट मोड पर नौसेना

- **मछुआरों को दी संवेदनशील क्षेत्रों में न जाने की सलाह**

मुंबई, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर मुंबई में नौसेना अलर्ट मोड पर है। भारतीय नौसेना ने मुंबई में मछुआरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। इस दौरान नौसेना ने मछुआरों को संवेदनशील क्षेत्रों में मछली पकड़ने के लिए नहीं जाने की सलाह दी है। जानकारी के अनुसार, भारतीय नौसेना ने आशंका जताई है कि नौकाओं का इस्तेमाल पाकिस्तान 26/11 मुंबई अटैक की तरह कर सकता है, इसलिए मछुआरों को अलर्ट किया गया है। साथ ही मुंबई में जल्द ही मछली पकड़ने वाली नौकाओं का सर्वेक्षण किया जाएगा और एक ऐप की मदद से उनका डेटा एकत्र किया जाएगा। भारतीय सेना के अनुसार, 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तान ने कई हमले किए, जिन्हें भारतीय सेना

ने सफलतापूर्वक नाकाम किया। सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी से यह भी स्पष्ट हो चुका है कि जब पाकिस्तान ने जम्मू और पंजाब के कई इलाकों पर हमला करने की कोशिश की तो भारत ने उसे करारा जवाब दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान और दो जेएफ-17 विमान भी मार गिराए गए।

गुरुवार को पाकिस्तान ने भारत के कई हिस्सों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय वायु रक्षा ने उनके भेजे गए ड्रोन को भी गिरा दिया। भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में उड़ रहे उनके एयरबोर्न वार्निंग और कंट्रोल सिस्टम को भी मार गिराया है।

पाकिस्तान ने गुरुवार शाम को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुला, पूंछ, सांबा और उरी में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। भारतीय एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने जम्मू एयरपोर्ट, सांबा, आरएस पुरा, अर्निया और आस-पास के इलाकों में पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को हवा में ही रोक लिया। जम्मू विश्वविद्यालय के पास दो पाकिस्तानी ड्रोन भी गिराए गए। एक संयुक्त रक्षा बयान में कहा गया, जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में स्थित सेना के ठिकानों पर पाकिस्तान ने मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। भारतीय सेना ने तय प्रक्रिया के अनुसार इन खतरों को खत्म किया।

नोएडा के भंगेल, सलारपुर और हाजीपुर में भी शाहबेरी की तरह

धड़ल्ले से बन रहीं अवैध इमारतें

नोएडा एजेंसी। नोएडा के भंगेल, सलारपुर और हाजीपुर में भी शाहबेरी की तरह ही अवैध रूप से इमारतें खड़ी हो रही हैं। प्राधिकरण के चेतावनी बोर्ड के पीछे ही भूमाफिया यहां अवैध निर्माण कर रहे। ऐसे

में यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। शाहबेरी में अवैध रूप से बनीं दो इमारतें 17 जुलाई 2018 को ढह गईं थीं। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन, शासन और प्राधिकरण के अधिकारियों ने दावा किया था कि इन अवैध निर्माणों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। कहीं पर भी अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा, लेकिन अब तक न तो अवैध निर्माणों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई और न ही अवैध निर्माण को रोका जा सका। गौतमबुद्ध नगर जिले में इन दिनों हाजीपुर, सलारपुर और भंगेल में अवैध इमारतों का निर्माण हो रहा है। यहां पर भी शाहबेरी की तरह अवैध इमारतें खड़ी हो गई हैं। इनका न तो नक्शा स्वीकृत है और न ही ये सुरक्षा मानकों को पूरा कर रही हैं। प्राधिकरण ने अवैध निर्माणों के सामने चेतावनी बोर्ड लगवाए हैं कि यह प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि है और यहां पर होने वाले निर्माण अवैध है।

एक साल पहले दौरा किया, लेकिन कार्रवाई नहीं

नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ ओएसडी के नेतृत्व में 28 अप्रैल 2024 को तीन ओएसडी, सभी वर्क सर्किल के वरिष्ठ प्रबंधक समेत करीब 250 अधिकारी–कर्मचारी सलारपुर, हाजीपुर और बरौला में अवैध अतिक्रमण की स्थिति देखने गए थे, लेकिन आज तक एक इमारत नहीं टूटी। हाजीपुर की खसरा नंबर–412 में बनी एक ऊंची इमारत में काम रोकने पर प्राधिकरण के एक जेई को जलाने का प्रयास किया गया था। इस इमारत पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एक लेखपाल के निलंबन की सिफारिश

प्राधिकरण के अनुसार लेखपाल विनय चौहान ने हाजीपुर और सलारपुर में अवैध निर्माण के खिलाफ न तो ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की और न ही सीलिंग की। प्राधिकरण ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर लेखपाल को निलंबित करने के लिए राजस्व परिषद को पत्र लिखा है।

डूब क्षेत्र में निर्माण करने वालों को चेतावनी

वहीं, नोएडा के सिंचाई विभाग ने हिंडन के डूब क्षेत्र को लेकर चेतावनी जारी की है। चेतावनी में कहा गया है कि बाढ़ आने पर यदि यहां हुए अवैध निर्माण को कोई नुकसान होता है तो कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। चेतावनी में डूब क्षेत्र स्थित छिजारसी, चोटपुर, चकशाहबेरी, यूसुफपुर, बहलोलपुर गढ़ी चीखंडी, हैबतपुर, पर्थला, खंजरपुर, सोरखा जहीदाबाद, ककराला, अलीवर्दीपुर, जलपुरा, हल्द्वानी, कुलेसरा एवं हिंडन यमुना दोआब बंध के निकट स्थित इलाहाबास, सूथियाना, शहदरा, लखनावली, बेगमपुर, मुबारकपुर, गुर्जरपुर, झट्टा बादोली बांगर, सफीपुर, चुहडपुर एवं मोमनाथल को हिंडन के डूब क्षेत्र में बताया गया है। इसी बंध पर यमुना के किनारे स्थित मोतीपुर, तिलवाडा, गढ़ी समस्तीपुर, बादौली खादर, कोंडली खादर, कामबक्शपुर, गुलावली, दोस्तपुर मंगरौली, छपरौली, असदुल्लापुर तथा औरंगाबाद, दलेलपुर, याकूतपुर की भूमि डूब क्षेत्र में है। मनीष वर्मा, जिलाधिकारी, अवैध निर्माण को लेकर एक दिन पूर्व ही जिला प्रशासन और प्राधिकरण की संयुक्त बैठक हुई। इसमें अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए कार्ययोजना बनाई गई। जिला प्रशासन और प्राधिकरण की संयुक्त टीमें अवैध निर्माण पर कार्रवाई करेंगी। अवैध निर्माण करने वालों को भूमाफिया घोषित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत-पाक तनाव के बीच, पंजाब में सभी शैक्षणिक संस्थान बंद, परीक्षाएं रद्द

चंडीगढ़, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में, पाकिस्तान के साथ 532 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करने वाले पंजाब ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने और परीक्षाएं रद्द करने का आदेश दिया है। जालंधर स्थित आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को कहा कि अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इसमें कहा गया है कि परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम नई तिथि से कम से कम पांच दिन पहले घोषित किया जाएगा।

राज्य सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। लैंडलाइन फोन नंबर 0172–2741803 और 0172–2749901 पर संपर्क किया जा सकता है। राज्य के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए, यह आदेश दिया जाता है कि पूरे पंजाब में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय – सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त – अगले तीन दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहेंगे। गुरुवार की रात को पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों – फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन में ब्लैकआउट की सूचना मिली।
पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में प्राधिकारियों ने शनिवार तक सभी स्कूल बंद करने की घोषणा की है। दूसरी ओर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुरुवार को फिरोजपुर सेक्टर में एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। घुसपैठिए की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, उसे शुक्रवार की सुबह भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करते समय मार गिराया गया। घुसपैठिये को लाखा सिंह वाला बीएसएफ चौकी के निकट एक गेट के पास घुसपैठ की कोशिश करते देखा गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पंजाब के कुछ सीमावर्ती गांवों के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे हैं। वहीं, पंजाब पुलिस के सभी कर्मियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गईं।

पानी पर राजनीति न करे मान सरकार : मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल विवाद पर पंजाब सरकार के रूख पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार न तो संविधान को मानती है, न संवैधानिक संस्थाओं को मानती है और न ही संविधान का सम्मान करती है। पंजाब सरकार ने जल विवाद पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को दरकिनार किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से आग्रह किया कि वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को मानते हुए हरियाणा के पानी को छोड़े। मुख्यमंत्री पंचकूला स्थित नाडा साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेकने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज यहां आने का परम सौभाग्य मिला है और नाडा साहिब गुरुद्वारा में शीश नवाकर देश प्रदेश की भलाई के लिए अरदास की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। समय-समय पर गुरुओं ने हमेशा भलाई और कल्याण का संदेश दिया है और हम उन्हीं की शिक्षाओं को लेकर आगे

बढ़ रहे हैं। जब पंजाब - हरियाणा एक थे, तब भी कोई भेदभाव नहीं था। परंतु आज पंजाब की मान सरकार अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए यह भेदभाव खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पंजाब के हक का पानी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि जो हरियाणा का हिस्सा है, वो भी पीने के पानी का, हम केवल वहीं मांग रहे हैं।

- **पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को न मानना संवैधानिक पीठ का अपमान–** नायब सिंह सैनी ने हाईकोर्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने सोच विचार करके और दोनों पक्षों की बातें सुनकर अपना फैसला दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को न मानना संवैधानिक पीठ का अपमान है। संवैधानिक फैसलों को न मानना इनकी फितरत रही है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान सर्वोच्च है और संवैधानिक पीठ का सम्मान करना हम जैसे संवैधानिक पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों का दायित्व है। परंतु हाईकोर्ट के फैसले को दरकिनार करते हुए और उसको न मानते हुए डैम पर जाकर ताला लगा देना व धरने पर बैठ जाना, ये सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोगों को पीने के पानी की आवश्यकता है। समय के साथ पानी की दिक्कत आ रही है। यह जीवन पानी से चलता है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री अपनी राजनीति को चमकाने के लिए पानी को रोक कर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जब डैम में पानी का लेवल आज के मुकाबले कम था, तब भी हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी मिला। आज ऐसी क्या बात हो गई है।

हिमंत ने बिहू समारोहों को 10 मई से रद्द करने का आह्वान किया

भुवनेश्वर, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले से चल रहे बिहू समारोहों को 10 मई से रद्द करने का शुक्रवार को आह्वान किया। हालांकि शर्मा ने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उन्होंने यह अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, पिछले महीने से, हमने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे असम में उल्लास के साथ बिहू मनाया है। मैं सभी को उनकी उत्साही भागीदारी व योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। शर्मा ने 10 मई से निर्धारित सभी शेष बिहू समारोहों को रद्द करने की अपील करते हुए कहा, हालांकि, अब इस त्योहारी सीजन को समाप्त करने का समय आ गया है। बोहाग या रोंगाली बिहू अप्रैल के मध्य से मनाया जाता है, जो असमिया नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान राज्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, आइये, हम इस जीवंत उत्सव को उसी एकता और भावना के साथ शानदार ढंग से समाप्त करें, जिस भावना के साथ इसकी शुरुआत हुई थी।

हिमंत ने नए पोप के चयन पर कैथोलिक समुदाय को बधाई दी– असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट के नए पोप के रूप में चयन को लेकर कैथोलिक समुदाय को शुक्रवार को बधाई दी।

ग्रेटर नोएडा के चौराहों पर इमरजेंसी अलर्ट करने के लिए लगेंगी LED स्क्रीन

ग्रेटर नोएडा। आंधी, तूफान, तेज बारिश जैसी प्राकृतिक आपदा और आपातकालीन स्थिति में लोगों को अलर्ट करने के लिए ग्रेटर नोएडा में चौक-चौराहों और प्रमुख स्थानों पर सेफ सिटी परियोजना के तहत एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम (सार्वजनिक घोषणा प्रणाली) के माध्यम से जरूरी मैसेज प्रसारित किए जाएंगे, ताकि लोग अपना बचाव कर सकें। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार की सेफ सिटी परियोजना और आधुनिक यातायात प्रबंधन के तहत ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 2700 से अधिक हाइटेक कैमरे लगाने की तैयारी चल रही है। इसका उद्देश्य शहर की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करना है। इस परियोजना पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 227.60 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इस परियोजना में अब सभी चौराहों और प्रमुख स्थानों पर एलईडी स्क्रीन और पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाने का फैसला लिया गया है। इन्हें कंट्रोल रूप से जोड़ा जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, मौसम के पूर्वानुमान जैसे आंधी, तूफान और तेज बारिश के बारे में जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तुरंत स्क्रीन पर प्रसारित की जाएगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भी घोषणा की जाएगी। सभी जरूरी सूचना मिनटों में आमजन तक पहुंच जाएंगी। बता दें कि, सेफ सिटी परियोजना और आधुनिक यातायात प्रबंधन पर काम शुरू करने के लिए निविदा जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। कंपनी का चयन कर अगले कुछ माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। इसका अत्याधुनिक कंट्रोल रूम प्राधिकरण दफ्तर में होगा।

ट्रैफिक जाम की भी सूचना मिलेगी

ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा होने पर एलईडी स्क्रीन पर इसकी सूचना प्रसारित की जाएगी। इससे वाहन चालक सावधान हो जाएंगे और जाम में फंसने से बचने के लिए दूसरे मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्राधिकरण अधिकारी के मुताबिक, एक ऐसी मोबाइल वैन होगी, जो हाईटेक कैमरों से युक्त होगी। शहर में कोई भी बड़ी घटना होने पर मोबाइल वैन मौके पर पहुंच जाएगी और वहां की फोटो और वीडियो कंट्रोल रूम में उपलब्ध कराएगी।

शादी कराने का झांसा देकर युवक से एक लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की धर्मपुरी कॉलोनी निवासी एक युवक की शादी कराने का झांसा देकर एक लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। युवक बारात लेकर जिला फरुखाबाद गया और फेरे भी लिए, लेकिन दुल्हन साथ नहीं भेजी गई। पैसे वापस मांगने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे है। नगर की धर्मपुरी कॉलोनी निवासी एक महिला पूनम शुक्रवार को मोदीनगर थाने पहुंची और तहरीर दी। महिला ने बताया कि मेरे भाई की शादी होने में देरी हो रही थी। नगर की एक कॉलोनी निवासी महिला ने कहा कि मै तुम्हारे भाई की शादी करा दूंगी,लेकिन खर्चा होगा। इसके बाद वह रिश्ता लेकर आ गई। बताया गया कि लड़की बाह्मण है। रिश्ता तय हो गया और बारात फरुखाबाद ले जाने को कहा गया। युवक अपने नजदीकी रिश्तेदारों के साथ फरुखाबाद पहुंचा और मंड़प मे फेरे लिए। विदाई के समय लड़की पक्ष ने दुल्हन को भेजने से साफ इंकार कर दिया। उनकी मांग थी कि पहले और पैसे दिए जाए,इसके बाद ही विदाई की जाएगी। महिला का आरोप है कि शादी कराने के लिए एक लाख रुपए की नकदी,तीन जोडे सोने के जेवरात दिए थे। आरोप है कि लड़की बाह्मण बताई गई,जबकि वह दूसरे समुदाय है। अब पैसे वापस मांगने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे है। महिला ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

युवक ने दुपट्टे से फंदा लगाकर दी जान

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र स्थित मीरपुर हिंदू गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक ने कमरे में लगे पंखे में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। मीरपुर हिंदू निवासी 22 वर्षीय आरीम ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कपड़े की फैक्टरी में सिलाई का कार्य करता था। उसके परिजनों ने बताया कि वह गुरुवार रात वह कमरे में सोने चला गया था। सुबह करीब सवा छह बजे पत्नी की आंख खुलने पर पति को पंखे में दुपट्टे से लटकता देख चीख निकल गई। शोर सुनकर परिजन व आस पास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन ने फंदा खोलकर नीचे उतारा। इसी बीच लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। परिजन की ओर से शिकायत नहीं दी गई है।

ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन लोग घायल

✷ एनसीआर टुडे. दादरी ✷। जीटी रोड पर कोट गांव के समीप ट्रक और कार की टक्कर हो गई। कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दिल्ली के प्रताप नगर कॉलोनी निवासी अनिल कुमार, समसपुर निवासी महेश चंद तथा सुंदर नगर निवासी पुष्कर राज कार में सवार होकर शुक्रवार को सिकंदराबाद की तरफ जा रहे थे। जब कोट गांव के समीप पहुंचे तो ट्रक और कार की टक्कर हो गई। कार सड़क के बीच लगी डिवाइडर रेलिंग में फंस गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को पास के अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। वहां पर हालत बिगड़ते देख ग्रेटर नोएडा के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना की सूचना घायलों के परिजनों को पुलिस ने दी है। पुलिस आरोपी ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

युवती का सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। कंपनी में काम करने वाली युवती का सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती का मोबाइल नंबर भी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर डाल दिया है। इस मामले में युवती की शिकायत पर कोतवाली फेज थ्री पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली फेज थ्री क्षेत्र में रहने वाली एक युवती बिजनेस सॉल्यूशन से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनी में काम करती है। युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि उसके साथ काम करने वाले एक युवक ने उसकी फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बना लिया। इस प्रोफाइल पर वह लगातार आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है। इस प्रोफाइल पर आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर भी डाल दिया है। लोग उसे लगातार कॉल कर परेशान कर रहे हैं। इससे युवती काफी परेशान है और मानसिक प्रताडऩा झेल रही है। इस बारे में जब उसने आरोपी से बात करने का प्रयास किया तो उसने अभद्रता की। इसके बाद इसकी शिकायत पुलिस से की गई। कोतवाली फेज थ्री पुलिस ने शशिकांत नामक एक युवक पर मुकदमा दर्ज किया है।

स्वच्छता टीमों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग व जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा विकास खंड नहटौर में पेयजल एवं स्वच्छता पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के डीपीसी बालकृष्ण प्रजापति ने कार्यक्रम के बारे में विश्तार से जानकारी देते हुए कहा कि संस्था की नुक्कड़ नाटक टीम हर गांव में जाकर पेयजल एवं स्वच्छता पर आधारित आम जनमानस को जानकारी देगी। कार्यक्रम के मुख्य अथिति ब्लाक प्रमुख राकेश चौहान ने कहा कि भविष्य के लिए जल संरक्षण जरूरी है इसके लिए हम सभी लोगों को मिलकर काम करना चाहिए। जनमानस में राकेश चौहान, खण्ड विकास अधिकारी प्रताप सिंह, व सहायक विकास अधिकारी पंचायत मनोज कुमार ने ग्राम पंचायत को जाने वाली टीमों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कार्यक्रम में बी सी प्रेम पाल संस्था के एडीपीसी दीपू कुमार व विकास खण्ड के कर्मचारी व कोऑर्डिनेटर प्रशिक्षक सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका के वार्ड नंबर 6 का मामला

भूमाफिया कर रहे सरकारी सड़क पर कब्जा

मोहल्लेवासियों ने नगरपालिका व पुलिस से की मामले की शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर पालिका परिषद धामपुर के वार्ड नंबर 6 मोहल्ला नई सराय नई बश्ती में सरकारी सड़क पर एक दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा है।

जिससे मोहल्ले में रहने वाले अन्य लोगों को आवागमन में जहां परेशानी होगी, वही उनका राश्ता भी बंद हो जाएगा।लोगों ने नगर पालिका और पुलिस अधिकारियों से मामले की शिकायत कर अवैध निर्माण को रोकने की मांग की है।

मामला धामपुर नगर पालिका परिषद के मोहल्ला नई सराय स्थित वार्ड नंबर 06 का है।मदरसा लतिफिया के पीछे दबंग इस्लामुद्दीन उर्फ मुन्ना ठेकेदार पुत्र अलाउद्दीन द्वारा जबरन नगर पालिका परिषद की सरकारी सड़क पर कब्जा किया जा रहा है। सड़क पर भीण डालकर चिनाई का काम कराया जा रहा है।

आरोपी द्वारा सरकारी सड़क पर खुलेआम दबंगई के बल पर कब्जा किया जा रहा है, जिस मोहल्ले के लोगों में भारी आक्रोश है।

मोहल्ले वासियों का कहना है कि उक्त सड़क पर कब्जा होने से बश्ती में रहने वाले अन्य परिवारों के सामने परेशानी खड़ी हो जाएगी। लोगों ने पालिका के अधिशासी अधिकारी से अवैध कब्जे को रुकवाने की मांग की है। उधर इस कब्जे को लेकर मोहल्ले वासियों में भारी आक्रोश भी बना हुआ है।

मोहल्ला वासी मोहम्मद दानिश ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद से की गई शिकायत में अवगत कराया कि उक्त व्यक्ति दबंग किस्म का है, जो सरकारी सड़क पर जबरन अवैध रूप से निर्माण करा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य को तुरंत रुकवाने की मांग की है।

पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ने बेसिक अध्यापकों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन खण्ड शिक्षा अधिकारी को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

उत्तर प्रदेशीय हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संदीप कुमार ने बेसिक अध्यापकों की समस्याओं के समाधान को लेकर एक ज्ञापन खण्ड शिक्षा अधिकारी अफजलगढ़ को सौंपा।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संदीप कुमार के नेतृत्व में पद अधिकारियों ने एक ज्ञापन अफजलगढ़ खंड शिक्षा अधिकारी प्रेम सिंह राणा को सौंपा। ज्ञापन में बताया कि बेसिक विद्यालयों में संचालित महत्वपूर्ण मध्यान्ह भोजन योजना' हेतु अनेक विद्यालयों में खाद्यान्न एवं परिवर्तन लागत समाप्त हो गयी है, जिस कारण योजान का संचालन करना कठिन हो गया है।

ऐसे समश्त विद्यालयों में खाद्यान्न एवं परिवर्तन लागत शीघ्र प्रेषित की जाये। आपके द्वारा किये जाने वाले निरीक्षणों के उपरांत बेसिक विद्यालयों में यदि कोई कमी पायी जाती है तो संबंधित अध्यापक को सुधार हेतु एक अवसर दिया जाये, उनका वेतन बाधित ना किया जायें।, वी.आर.सी. कार्यलय में विभागीय कार्यों के संपादन हेतु स्थायी एवं संविदा कर्मी पर्याप्त संख्या में नियुक्त है।

फिर भी आपने मुजीबुर रहमान नाम का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जिसपर पूर्व में शिक्षकों से अवैध वसूली के आरोप लग चुके है,को वी.आर. सी. पर संबंध कर रखा है।,उसकी संबंधिता समाप्त करते हुये, उसको मूल विद्यालय में भेजा जाये।

विकास खण्ड अफजलगढ के अनेक विद्यालयों की शैक्षिक सत्र-2024-25 की कम्पोजिट ग्रान्ट की धनराशि का भुगतान, संबंधित बैंक प्रणाली के सही से के कारण विफल हो गया था उक्त सही से कार्य नहीं करने उक्त धनराशि की लेप्स लिमिट को पुनः जारी कराया जाये,जिससे विद्यालयों में रूके हुये आवश्यक कार्यों को पूर्ण कराया जा सकें।,जी.पी.एफ कटौती वाले समश्त शिक्षकों की सत्र2023-24 की फंड स्लिप उपलब्ध करायी जाये।,विभाग द्वारा संचालित व्हाट्सएप ग्रुपों में अनेक सूचनायें एवं आदेश पी. डी.एफ. के रूप में प्रसारित किये जा रहे है, दो पेज से अधिक की ऐसी समश्त पी०डी०एफ० सूचनायें विभाग द्वारा हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में उत्तर प्रदेशीय हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संदीप कुमार के आलावा मनोज कुमार चौहान, सुभाषचंद्र, अनीस अहमद,राकेश कुमार,इसरार अहमद तथा गजेंद्रपाल सिंह आदि उपस्थित रहें।

पोल्ट्री फार्म में आग से ढाई हजार मुर्गी के बच्चे जलें

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना हीमपुर दीपा के गंधौर क्षेत्र में स्थित पोल्ट्री फार्म हाउस में आग लगने के कारण 2500 मुर्गी के बच्चे जलकर राख हो गए।

क्षेत्र में विकास पोल्ट्री फार्म हाउस संचालित है ।पोल्ट्री फार्म हाउस के मालिक विकास ने बताया आग लगने से ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट माना जा रहा है, जब तक सूचना पर दमकल दमकल गाड़ियां पहुंची। जब तक आग में सब स्वाह हो चुका था।

समाजसेवी ने किया क्लीनिक का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

ग्राम कासमपुर गढ़ी में बुधवार की देर एम एच सी क्लिनिक (हेल्थ केयर सेंटर) का वरिष्ठ समाजसेवी हाजी मौहम्मद अनवर डेरी वालों ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

मौलाना शकील अहमद,कारी इकरार अहमद, कारी मौहम्मद उस्मान, कारी मौहम्मद आरिफ व मदरसा मजहरूल उलूम के तुलाबा ने तिलावत कुरआन ए करीम पढ़कर क्लीनिक का शुभारंभ किया व खैर ओ आफियत व बरकत के लिए दुआएं कराई।

इस मौके पर तशरीफ़ लाए डॉक्टर अब्दुल मालिक ने कहा कि स्वस्थ जीवन और बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय पर उपचार लेना अति आवश्यक है तथा गर्मी से बचने विशेष कर बच्चों को गर्मी से बचाने की सलाह दी। क्लीनिक संचालक डॉक्टर मौहम्मद आदिल ने सच्चे मन से मरीजों की सेवा करने का संकल्प लेते हुए तशरीफ़ लाए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर तशरीफ़ लाए समाज सेवी मौहम्मद शहराज जिम्मी, तफ्सील खां, मौहम्मद फारूख, वरिष्ठ पत्रकार शेख मौहम्मद यूसुफ, एस एम असलम व अन्य लोग मौजूद रहे।

होटल पर चाय पीने गए व्यक्ति के साथ होटल मालिक ने मारपीट की

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना क्षेत्र के गांव सीरवासुचंद निवासी एक व्यक्ति को होटल पर चाय बनवाने के दौरान होटल मालिक ने गाली गलौज सहित मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने होटल मालिक के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कारवाई किये जाने की मांग की।

थाना क्षेत्र के गांव सीरवासुचंद निवासी मोहम्मद नफीस पुत्र बुन्दू शाह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की दोपहर लगभग ढाई बजे पीड़ित गांव सीरवासुचंद निवासी बुन्दू के होटल पर चाय पीने गया हुआ था।

होटल मालिक से पीड़ित ने कहा कि एक चाय बना दो इसी दौरान होटल मालिक ने गुस्से मे उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी मारपीट पर उतारू हो गया और पीड़ित के मुंह पर लोहे का पंच मार उसे घायल कर दिया। तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी होटल मालिक बुन्दू के खिलाफ तहरीर देकर कारवाई किये जाने की मांग की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जायेगी।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, महिला की मौत, 1 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जनपद के थाना हल्दौर क्षेत्र के गांव बिलाई बिजनौर -नहटौर मांग पर मोटरसाइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, इस हादसे में बाइक पर सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि बाइक चला रहा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को लेकर आक्रोशित लोगों ने बिजनौर - नहटौर मांग पर जाम लगा दिया।

शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे नौरंगपुर निवासी ध्यान सिंह (56 वर्ष) अपनी पत्नी सुषमा (42 वर्ष) के साथ बाइक से पास ही के गांव अकबरपुर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हाईवे पर आई तभी तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी पत्नी सुषमा की मौके पर ही मौत हो गई एवं ध्यान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिसे मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से जिला अस्पताल बिजनौर भिजवाया जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैंसला ने बताया शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भिजवाया जा रहा है कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

जिले के सभी ब्लाकों में गौशालाओं के संचालन हेतु डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने समश्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक अस्थाई गौशाला का प्राथमिकता के आधार पर निर्माण करना तथा उसमें आश्रित गोवंशों के चारे पानी सहित सभी व्यवस्थाएं भी करना भी सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा मनरेगा में धनराशि का आवंटन कर दिया गया है, जिससे धनराशि के अभाव की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिले में जहां भी चरागाह एवं खलिहान की भूमि उपलब्ध हो उनका राजस्व अधिकारियों के माध्यम से चिन्हीकरण कराते हुए वहां पर संरक्षित गोवंशों के लिए नेपियर घास अथवा हरा चारा बोने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी गौशालाओं में स्वीकृत टेण्डर रेट के आधार पर निर्धारित मात्रा के अनुरूप भूसे का भंडारण सुनिश्चित रखें ताकि उसका उपयोग हरे चारे की अनुपलब्धता के समय किया जा सके। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील श्तरीय अधिकारियों के साथ मीटिंग का आयोजन कर जिन गोशालाओं के पास चारागाह या हरे चारे की व्यवस्था के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, भूमि का आवंटन कराया जाए

तथा गोशालाओं में मौजूद मशीन से उपलब्ध गोबर से लठ्ठे बनवाना सुनिश्चित करें ताकि आमदनी का स्थाई स्त्रोत सृजित किया जा सके। डीएम श्रीमती कौर आज शाम कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में गौशालाओं की व्यवस्था से संबंधित आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि गौशालाओं का संरक्षण एवं उनकी समुचित देखरेख राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। अतः संबंधित अधिकारी उक्त कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही का प्रदर्शन न करें और पूरी गंभीरता के साथ निर्धारित मानकों के अनुरूप गौ आश्रय स्थलों में सभी व्यवस्थाएं अद्यतन रखें।

उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले की सभी गौशालाओं में शत प्रतिशत रूप से विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था करें , उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो गोआश्रय स्थल छोटे हैं, उन्हें नंदी गौशाला में परिवर्तित करते हुए वहां संरक्षित गोवंशों को निकटतम गौशालाओं में स्थानांतरित करें।

उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि वर्तमान में सभी गौशालाओं में कैटल कैचर यंत्र उपलब्ध हैं, अतः जिले में कहीं भी निराश्रित गोवंश सड़कों अथवा अन्य स्थानों पर घूमता हुआ पाया जाए, तो तत्काल उसको पकड़ कर गौशाला में संरक्षित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन गौशालाओं में क्षमता से अधिक गोवंश मौजूद हैं, उन स्थानों का विश्तार करते हुए अतिरिक्त शेड का निर्माण कर गोवंशों को वहां पर संरक्षित करें।

उन्होंने पशुधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी गौशालाओं में पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा गोवंशों का नियमित रूप से स्वास्थ्य चेकअप कराया जाए और यदि कहीं कोई गोवंश बीमार अवस्था में मिलता है तो उसके समुचित उपचार की व्यवस्था करना भी सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं नगर निकाय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में गौशालाओं में ग्राम प्रधानों एवं धनाढ्य लोगों से संपर्क कर भूसे का दान करने के लिए उन्हें प्रेरित करें तथा पंचायत सचिवों को भी भूसा दान के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसके सापेक्ष भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं एवं दान पंजिका में दानी व्यक्ति के विवरण सहित आवश्यक जानकारी का अंकन भी कराएं।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लोकेश कुमार अग्रवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी दमनप्रीत अरोड़ा, उपायुक्त मनरेगा, आनलाइन सभी खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मंडल कार्यकारिणी को बैंठक

एनसीआर टुडे. बिजनौर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी की अध्यक्षता और जिला महामंत्री नरेश भाटी के संचालन में पार्टी द्वारा संगठन पर्व -मंडल गठन के सम्बंध में तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।

सपा विधायक मनोज पारस ने गांव-गांव जाकर डोर टू डोर समाजवादी पार्टी का प्रचार व प्रसार किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पी.डी.ए महानायक माननीय अखिलेश यादव के निर्देशानुसार आज विधानसभा क्षेत्र नगीना के ग्राम महेशपुर उर्फ हीरावाली में विधायक नगीना (पूर्व मंत्री) उत्तर प्रदेश माननीय मनोज पारस ने डोर टू डोर जनसंपर्क कर घर-घर पी.डी.ए. पर्चा पहुंचाने की अपील करते हुए कहा है कि प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के लिए बाबा साहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं।

जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसीलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबा साहेब के खिलाफ रहे हैं और समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं।

पूरे उत्तर प्रदेश में माननीय श्री अखिलेश यादव सर्व समाज में उनके अधिकार, सम्मान, के लिए लड़ रहे हैं गरीबों, पीड़ित लोगों को सताया जा रहा है। सभी को एकजुट होकर निरंकुश सरकार के जुल्मों के खिलाफ आवाज उठानी पड़ेगी। आने वाले 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी पड़ेगी।

पी.डी.ए कार्यक्रम में जयप्रकाश चंदेल प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी, प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी एससी एसटी प्रकोष्ठ भूरे सिंह,महेंद्र फौजी वर्तमान ग्राम प्रधान भोंगली, कैलाश सिंह, सीताराम सिंह, शाहिद मंसूरी साहब, महेश चौहान, टीकम सिंह,मौहम्मद हबीब अहमद साहब, अमर सिंह, रईस अहमद शाह, डॉक्टर धर्मवीर सिंह सैनी, अतुल कुमार, रतन सिंह, संत राम सिंह, रामपाल सिंह, ओम प्रकाश सिंह, राकेश सिंह, सोमपाल सिंह, यशपाल सिंह, हुकुम सिंह, ओम प्रकाश सैनी, विजयपाल सिंह, डॉक्टर राजेंद्र प्रजापति, राम कश्यप एडवोकेट, जगदेव सिंह, मौहम्मद मुश्तकीम अहमद, सोनू कुमार, राहुल कुमार, सुनील कुमार, अरविंद कुमार, अली शेर, तस्लीम अहमद, जमालुद्दीन अंसारी, अली बहादुर, बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहें।

धूमधाम के साथ मनाई महाराणा प्रताप जयंती

मुख्य अतिथियों ने महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

महाराणा प्रताप की जयंती क्षेत्र में बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। वही गांव कासमपुरगढ़ी में स्थित संस्कार रिसोर्ट में महाराणा प्रताप सिंह की जयंती के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जयंती समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह की माता रानी कुंवर साधना सर्वेश सिंह,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव सिसोदिया व जसपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि क्षत्रिय समाज के लोगों को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

शुक्रवार को क्षेत्र के गांव कासमपुरगढ़ी में स्थित संस्कार रिसोर्ट में आयोजित महाराणा प्रताप सिंह की जयंती समारोह के आयोजक ब्लाक प्रमुख प्रदीप कुमार बबली, भाजपा युवा नेता अंकित चौहान व कपिल चौहान के तत्वावधान में हुए जयंती समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह की माता रानी कुंवर साधना सर्वेश सिंह,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव सिसोदिया व जसपुर विधायक आदेश चौहान, एसडीएम धामपुर रीतू चौधरी व सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी ने वीर शिरोमणि राणा प्रताप

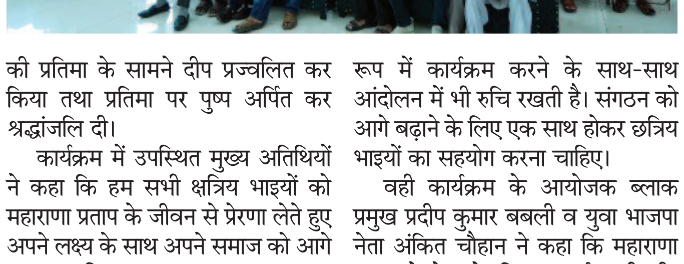

की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया तथा प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों ने कहा कि हम सभी क्षत्रिय भाइयों को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने लक्ष्य के साथ अपने समाज को आगे बढ़ाना चाहिए।

क्षत्रिय महासभा प्रतिवर्ष रचनात्मक कार्य के रूप में तथा भावात्मक कार्य के रूप में कार्यक्रम करने के साथ-साथ आंदोलन में भी रुचि रखती है। संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ होकर छत्रिय भाइयों का सहयोग करना चाहिए।

वही कार्यक्रम के आयोजक ब्लाक प्रमुख प्रदीप कुमार बबली व युवा भाजपा नेता अंकित चौहान ने कहा कि महाराणा प्रताप ने देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। विषम परिस्थितियों के बावजूद भी उन्होंने कभी मुगलों की अधीनता को स्वीकार नहीं किया था। महाराणा प्रताप अतुल्य बलिदान देने वाले योद्धा थे। आज उसी तरह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान मास्टर पूरन सिंह तथा संचालन संजय राजपूत जसपुर ने किया।

इस अवसर पर एसडीएम धामपुर रीतू चौधरी के आलावा सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी,ब्लाक प्रमुख प्रदीप कुमार, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष खेल सिंह राजपूत, गन्ना समिति अफजलगढ़ चेयरमैन मलकीत सिंह, बीडीओ सीपी पांडे, विधायक प्रतिनिधि सीपी सिंह, प्रधान नितिन चौहान उर्फ पाठू, नवीन शर्मा, भाजपा युवा नेता अंकित चौहान, युवा भाजपा नेता आशीष चौहान, चेयरमैन अनूज जोशी, कपिल चौहान, भाजपा नेता अतुल अग्रवाल, पूर्व प्रधान भूपेन्द्र सिंह, प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश चौहान, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अवनीश चौहान,मास्टर भारत सिंह, भाजपा नेता देशराज सिंह चौहान, मास्टर हरगोविंद सिंह, डा. तेजपाल सिंह चौहान, भाजपा युवा नेता शरद कर्णवाल, भाजपा नेता राहुल प्रताप, मास्टर संदीप कुमार तथा देवराज सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

ऑपरेशन सिंदूर : धर्म तो बताना पड़ेगा

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ हमला साजिशन और नियोजित था। धर्म पूछकर 26 निर्दोष लोगों को आतंकियों ने गोली मार दी। इस तरह के हमले से जाहिर हो गया कि पाकिस्तान ना सिर्फ आतंकवाद को पोषित कर रहा है बल्कि अब सामाजिक उन्माद बिगड़ना चाहता और भारतीय समाज में नफरत फैलाना चाहता था।

इस हमले के बाद देश के कुछेक हिस्सों में वो ही हुआ जो पाकिस्तान और आतंकी चाहते थे। यानि, कुछेक जगहों पर सामाजिक सदभाव बिगड़ता दिखा, कुछेक जगह उपद्रव भी हुए और मुसलमानों को निशाने पर लेकर पहलगाम का बदला लेने की कोशिशें हुईं। हालांकि, पूरे देश में साम्प्रदायिक उन्माद भड़काने की आतंकी साजिश नाकाम हो गई। जल्द ही लोगों को समझ आ गया कि पाकिस्तान भी तो यही चाहता था कि भारत में हिंदू-मुसलमान आपस में उलझ जाएं। लिहाजा, भारतीयों ने एकजुटता और संयम दिखाया। पहलगाम की घटना को लेकर मुसलमानों में भी उतना ही गम और गुस्सा दिखा जितना गैर मुसलमानों में।

पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुसलमानों ने केन्द्र सरकार से अपील की कि वो आतंकियों को सबक सिखाए। मुस्लिम संगठनों और कई मुस्लिम धर्मगुरूओं ने साफ तौर पर कहा कि इस्लाम में इस तरह से निर्दोष लोगों को मारने या जिहाद करने की कोई जगह नहीं है। विपक्ष ने भी मोदी सरकार के आतंक के खिलाफ उठाए जाने वाले हर फैसले को समर्थन देने की बात कही। इसके बाद जो हुआ वो इतिहास बन गया। पूरी दुनिया ने देख लिया कि जिस तरह से निर्दोष पुरूषों की जान ली गई उनकी विधवाओं को न्याय भी दो महिलाओं ने दिलाया पाक के आतंकी ठिकानों पर बम बरसाकर। इस ऑपरेशन को नाम दिया गया ऑपरेशन सिंदूर।

भारतीय परंपरा में सिंदूर को शक्ति, सम्मान और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। भारतीय थल सेना, वायुसेना और नौसेना की संयुक्त रणनीति ने 6 मई 2025 रात्रि को पाकिस्तान के भीतर 9 प्रमुख आतंकवादी ठिकानों पर जोरदार हमला कर दिया। यह हमले न केवल लाइन ऑफ कंट्रोल के पास स्थित आतंकी लॉन्च पैड्स पर किए गए, बल्कि पाकिस्तान के भीतरी हिस्सों में भी उन ठिकानों को टारगेट किया गया जो लंबे समय से आतंक की फैक्टरी बने हुए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर-जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय, मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा का आधार स्थल, जो 2008 मुंबई हमले से जुड़ा रहा है। गुलपुर-नियंत्रण रेखा के पास स्थित वह अड्डा, जहां से 2023-24 के हमलों की योजना बनी।

सावाई- जहां से तीर्थयात्रियों पर हमलों की साजिश रची गई। बिलाल- जैश का प्रमुख लॉन्चपैड। कोटली- हिजबुल मुजाहिदीन की उपस्थिति वाला अड्डा। बरनाला, सरजाला और महसुन्ता- आतंकी ट्रेनिंग और लॉन्चिंग सेंटर। मिसाइलों और ड्रोन हमलों के जरिए इन ठिकानों को ध्वस्त किया गया। भारत ने पाकिस्तान के किसी भी सैन्य ठिकाने या आम नागरिकों के रहवासी क्षेत्रों को निशाना नहीं बनाया। खास बात यह रही कि इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय पक्ष को कोई नुकसान नहीं हुआ, और सभी सैनिक सुरक्षित वापस लौटे।

ऑपरेशन सिंदूर पर जो प्रेस ब्रीफिंग की गई, उसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साथ कई संदेश दे दिए। उन्होंने पूरी दुनिया को ये मैसेज दे दिया कि देश में धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है।

जो लोग पीएम मोदी को मुसलमान विरोधी मानते थे शायद उन लोगों को मैसेज देने के लिए ही महिला कर्नल सोफिया कुरैशी के जरिए सेना की कार्रवाई की जानकारी दी गई। सोफिया कुरैशी के साथ ही विंग कमांडर व्योमिका सिंह भी शामिल थीं। सशस्त्र सेना की दो महिला अधिकारियों के जरिए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने और फिर उसकी जानकारी इन्हीं दोनों महिलाओं के जरिए देकर ये संदेश देने की भी कोशिश की गई कि भारतीय सेना किस तरह मजबूत और आत्मनिर्भर है।

पाकिस्तान को भी नसीहत मिल गई कि भारत में सिर्फ पुरूष ही नहीं महिलाएं भी मुंह तोड़ जवाब देने की ताकत रखतीं हैं। बहरहाल, मोदी की राजनीति और कूटनीति का कोई सानी है ये ऑपरेशन सिंदूर से साबित हो गया। लगातार हाई लेवल की मीटिंग कर और सीमावर्ती एरियों में सैन्य गतिविधियों के साथ अलर्ट के जरिए मोदी ने ये भनक भी नहीं लगने दी कि हमला कब, कहां और कैसे होगा। इसके अलावा दो महिला सैन्य अधिकारियों को कार्रवाई की लीड करके बदला ले लिया।

इतना ही नहीं एक महिला सैन्य अफसर के जरिए प्रेस ब्रीफिंग करवाकर ये मैसेज दे दिया कि तुम धर्म पूछकर मारोगे तो हम धर्म बताकर बदला लेंगे। अब हिम्मत हो तो पूछो धर्म......। ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय मोदी चाहते तो खुद ले सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा ना करके महिला सैन्य अफसरों को आगे कर दिया। खैर, ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जिस तरह से पहलगाम का बदला लिया गया उसने हर हिन्दुतानी का सीना गर्व से चैड़ा कर दिया है लेकिन अभी आतंकवाद पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। रहा सवाल, मोदीजी और उनकी सरकार के राजनीतिक फायदे का तो सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह के जरिए महिलाओं और मुसलमानों का दिल और विश्वास जीतने में वे कामयाब हो गए फिलहाल ऐसा माना जा सकता है। इसके अलावा और भी कितने राजनीतिक लाभ होंगे ये तो सभी जानते हैं।

लंबी लड़ाई को खत्म करने की कोशिश

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मैं अपनी बात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की उस टिप्पणी से करूंगा जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत में यह लड़ाई एक हजार से भी ज्यादा समय से चल रही है। अब अगली बात। इस बार पाकिस्तानी सेना पहलगाम पर अपने जिहादियों से हमला करवा कर सचमुच धोखा खा गई। वैसे तो नियम है कि जब कोई सेना दूसरे देश पर हमला करती है तो वह उस देश की क्षमता, इतिहास और स्वभाव का पहले आकलन कर लेती है।

पाक सेना स्वयं या अपने प्रशिक्षित जिहादियों द्वारा भारत में कहीं न कहीं हमला करती रहती है। उस हमले का रूप चाहे कोई भी क्यों न हो। 'हजार जख्म देकर लहूलुहान करना', यह युद्ध का नया सिद्धांत है। इसमें खर्चा कम होता है और मनोवैज्ञानिक लाभ ज्यादा मिलता है। पाकिस्तानी सेना पिछले कई दशकों से यही कर रही है। इस लम्बे अरसे में उसने भारत की प्रतिक्रिया का आकलन भी कर लिया है। मुम्बई हमले के बाद पाक सेना को अंदेशा था या नहीं, लेकिन भारत के लोगों को आशा थी कि सरकार इस हमले का सही उत्तर देगी। लेकिन देसी-विदेशी दबावों के चलते उसने वह उत्तर नहीं दिया। उसके बाद पाक सेना के थिंक टैंकों ने भारतीय प्रतिक्रिया को लेकर शायद अंतिम निष्कर्ष भी निकाल लिए कि भारत ज्यादा से ज्यादा अमेरिकी शक्तियों के आगे गुहार लगाएगा। लेकिन पाक सेना को पुलवामा हमले के बाद की प्रतिक्रिया से सबक लेना चाहिए था या फिर कम से कम ऐसे मामलों में भारत की प्रतिक्रिया को लेकर निकाले गए निष्कर्षों को संशोधित कर लेना चाहिए था। लेकिन पाक सेना ने ऐसा नहीं किया।

वह पुराने जमाने के निष्कर्षों को लेकर ही वार-रूम में भारत के खिलाफ रणनीति बनाती रही। मुझे लगता है यदि पाक सेना के मुखिया जनरल बाजवा होते तो शायद आधुनिक युग में भारत की संभावित प्रतिक्रिया का नई सिरे से आकलन अवश्य करवाते। इसका कारण है। वे देसी मुसलमान थे। वे जाट थे जिनके पुरखे मुगल शासन में कभी मुसलमान बन गए थे।

उनके गुण-अवगुण वही थे जो हमारे गुण-अवगुण हैं। लेकिन इस समय पाक सेना के मुखिया आसिम मुनीर एटीएम मूल के मुसलमान हैं। एटीएम मूल के मुसलमानों में भारत पर हमले करने वाले अरब, तुर्क और मुगल स्टाक के मुसलमान हैं जिनकी बची खुचा नस्लें भारत में ही रह गई हैं। यह वह स्टाक है जिसके बारे में कहा जाता है कि रस्सी जल गई लेकिन ऐंठन नहीं गई। एटीएम का भारत (जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है) से कुछ लेना-देना नहीं है। इनकी खोपड़ी में अभी भी यह कीड़ा घुसा हुआ है कि कि वे कभी भारत के शासक थे। वे अभी भूतकाल से बाहर नहीं आए हैं। मुनीर अरब मूल के हैं। एटीएम मानता है कि हिंदू-मुसलमान अलग-अलग राष्ट्र हैं। इतना ही नहीं वह यह भी मानता है कि इस्लामी राष्ट्र हिंदू राष्ट्र से श्रेष्ठ है। अंग्रेज एटीएम की इस बीमारी को समझ गए थे।

इसीलिए वे जाते वक्त हिंदुस्तान का एक टुकड़ा तोड़ कर एटीएम के हाथ दे गए थे, ताकि वह निरंतर भारत से लड़ता रहे। जिन्ना आदि तो एटीएम के मोहरे थे। यही कारण है कि पाकिस्तान की पहचान स्थापित करने के लिए शुरू से ही एटीएम ने वहां की शिक्षा प्रणाली कर कब्जा कर लिया था। लेकिन इतने दशकों बाद भी पाकिस्तान में सिंधी, पश्तून, बलोच, जाट, राजपूत, गुज्जर, वाल्मीकि इत्यादि नई कृत्रिम पहचान को अपना न सके। वे अपने हजारों हजारों साल के पुराने इतिहास से अपना नाता न तोड़ सके। पाकिस्तान में सिन्धी, बलूच, पश्तून, बलती, दरद सभी इससे अलग होना चाहते हैं। पाक सेना के मुखिया जनरल मुनीर इसीलिए घबराहट में हैं। वे इस्लामाबाद में जोर-जोर से चिल्ला रहे हैं, गला फाड़ रहे हैं, कि मुसलमान हिंदुओं के साथ नहीं रह सकते। हम दोनों अलग अलग हैं। हमारा कुछ भी सांझा नहीं है। हम हिंदुओं से कहीं श्रेष्ठ हैं। लेकिन पश्तून, बलोच व सिन्धी चिल्ला रहे हैं कि मुनीर तुम झूठ बोल रहे हो। हमारा तुम से यानी एटीएम से कुछ सांझा नहीं है। मजहब सांझा होने से इतिहास व पहचान सांझा नहीं हो जाती। मुनीर जानता है कि एटीएम ने पहले भी सेना के बल पर ही भारत पर कब्जा किया था।

अब भी मुनीर के पास सेना है, शायद वह अपने आप को आज का मोहम्मद बिन कासिम समझता है। वह अपनी आज की सेना के बल पर भारत को डराना चाहता है। सेना तो हिंदुस्तान में अंग्रेजों के पास भी थी। यह भी सच है कि उस सेना में कुछ अफसरों को छोडक़र बाकी सब हिंदुस्तानी ही थे।

लेकिन 1857 में और फिर विश्व युद्धों में मोहन सिंह ने व सुभाष चंद्र बोस ने उसी सेना में विद्रोह करवा दिया था जिसके कारण अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा था। पाक की आज की सेना में भी एटीएम के लोग बड़े पदों पर कब्जा किए हैं, बाकी सेना तो देसी मुसलमानों की ही है। एटीएम के मुनीर को अपनी इस सेना पर भी अपनी धाक जमानी है। पाकिस्तान के सिविल प्रशासन को भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना है। पहलगाम का हमला इसी में से निकला है। लेकिन उसने यह अंदाजा नहीं लगाया कि अब भारत भी पहले वाला भारत नहीं रहा। पहलगाम के उत्तर में जो भारत ने किया, वह नए भारत का उत्तर है। उस भारत का जिसके बारे में गलवान की घटना के बाद किसी ने कहा था, अब भारत आंख में आंख डाल कर बात करता है। वह एटीएम द्वारा एक हजार साल पहले शुरू की गई लड़ाई को जीतना चाहता है।

मैं हैरान हूं कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने कैसे समझ लिया कि यह लड़ाई एक हजार से भी ज्यादा समय ले चली आ रही है। भारत में किसी ने भी मुनीर के आज के हमले को इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नहीं समझा। पहलगाम हिंसा के बाद भारत ने जनरल मुनीर को जो उत्तर दिया, वह इसी बात का संकेत है कि भारत एक हजार से चली आ रही इस लड़ाई को अब उसकी अंतिम परिणति तक पहुंचाना चाहता है। एक हजार साल पहले भारत पर हमला करने वाला मोहम्मद बिन कासिम भी अरब था और 2025 में हमला करने वाला जनरल मुनीर भी अरब मूल का है।

लेकिन तब से लेकर अब तक सिंधु नदी में बहुत पानी बह चुका है। इस बार जो भारत ने उत्तर दिया है, उसका एक दूसरा पहलू भी है। अब तक यह समझा जाता था कि भारत और पाकिस्तान के बीच झगड़ा कश्मीर को लेकर है। मुनीर ने मजहब के आधार पर अपने द्विराष्ट्र सिद्धांत को प्रस्थापित करते हुए कहा भी कि कश्मीर हमारी दुखती रग है।

भारत में भी कुछ लोग ऐसा ही मानते हैं। यही कारण है कि वे अब भी जी-जान से औरंगजेब जैसे लोगों की कब्रों को किसी भी तरह बचाने के काम में लगे हुए हैं। लेकिन मुनीर भी जानते हैं कि उनकी अपनी सोच में भी कश्मीर ही मसला नहीं है। एटीएम के लिए मसला भारत को किसी भी तरह इस्लामी देश बनाना है। इसलिए आतंकवादियों की जो नस्लें तैयार की जा रही हैं, कश्मीर तो उसका पहला पड़ाव है। जिहादियों के लिए उनकी असली यात्रा तो उसके बाद शुरू होती है। यही कारण है कि अब तक तो भारत सरकार की क्रिया-प्रतिक्रिया भी अपने ही जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में ही होती थी, चाहे जम्मू कश्मीर का वह क्षेत्र नियंत्रण रेखा के इस पार हो या उस पार हो। लेकिन अब नए भारत को समझ आ गया है कि मसला कश्मीर नहीं है, मसला एटीएम की वह बीमार मानसिकता है जो अभी भी मोहम्मद बिन कासिम के जमाने में जी रही है। यही कारण है कि भारत ने बहावलपुर तक जाकर जिहादियों के प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट किया। बहावलपुर का जम्मू-कश्मीर से कोई ताल्लुक नहीं है, वह पश्चिमी पंजाब का हिस्सा है। भारत ने पाकिस्तान को जो उत्तर दिया है, उसके व्यापक अर्थ हैं। वह एटीएम की मानसिकता और अंग्रेजों द्वारा भारत के खिलाफ किए गए षड्यंत्रों को समाप्त करने की शुरुआत कही जा सकती है। यह उन लोगों को तो सुकून पहुंचाएगा ही जिनके प्रियजन पहलगाम हमले में मारे गए थे, लेकिन यह पश्तूनों, बलोचों और सिंधियों के लिए भी उत्सव पर्व है। यह पर्व कुछ और वर्गों को भी सुकून देगा, लेकिन हमें जयचंदों से सचेत रहने की जरूरत है।

जय हिंद ... जय हिंद की सेना

राधा रमण

दुनिया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है।

आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ़ कर दिया।

कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि 'हम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं।' ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम 'ऑपरेशन सिन्दूर' रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे।

फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है।

इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिद्दीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे।

लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया।

अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था।

आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि 'यह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता।' मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है।

भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है।

यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आतंरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है। बायसरन में पिछले माह जो हुआ उसे कत्तई सही नहीं ठहराया जा सकता। बायसरन की घटना मानवीयता को शर्मसार करनेवाली है। इस बीच, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को तानाशाह बताते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत के हमले का पलटवार करने की गलती नहीं करे, अन्यथा उसे भारी पड़ेगा।

बहरहाल, दोनों देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। पाकिस्तानी सेना के दबाव में वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आतंकियों की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। दुनिया ने देखा कि आतंकियों के अंतिम संस्कार में वहां की सेना के बड़े अधिकारी और राजनेता कैसे मातम मना रहे थे। इधर, भारत के जांबाज सैनिक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बाट जोह रहे हैं। हालांकि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है। लेकिन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। तभी तो वह 'कुरुक्षेत्र' में लिखते हैं कि -

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सज्जनता का अनुशीलन हो, मानव को पथ का पता रहे

सुनील कुमार महला

भारतीय सेना ने भारत के 15 शहरों पर, पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करते हुए, पाकिस्तान को करारा जबाव दे दिया है और पाकिस्तान ने भारतीय सेना के पहले ही प्रहार में भारत से मुंह की खाई है। भारतीय सेना ने जहां एक ओर पाक एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के तीन लड़ाकू विमानों को भी मार गिराया है।

भारत के जम्मू से राजस्थान के जैसलमेर तक पाकिस्तान के सभी हमलों को भारतीय सेना ने अपने डिफेंस सिस्टम से हवा में ही नाकाम कर दिया। यहां पाठकों को बताता चलूं कि पाकिस्तान ने बुधवार (8 मई 2025) को रात को जम्मू-कश्मीर के अवंतीपुरा, श्रीनगर व जम्मू, पंजाब के पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा व चंडीगढ़ तथा राजस्थान के नाल (बीकानेर), फलोदी, उत्तरलाई (बाड़मेर) और गुजरात के भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया था।

इन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने बेअसर कर दिया गया। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकियों का गढ़ है और वह हमसे सूचनाएं लेकर आतंकियों को छिपाता है।

भारत के आपरेशन 'सिंदूर' के बाद जब पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर सैकड़ों आतंकवादी मारे गए, तो उन्हें पाकिस्तानी ध्वज में लपेटकर पाकिस्तान द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दी गई, यह दर्शाता है कि पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकियों के सहारे ही चलता है और वह आतंकवाद और आतंकियों को प्रश्रय देता है। पूरे विश्व में आज पाकिस्तान की पोल खुल चुकी है।

हमने जहां पाकिस्तान के आंतकी ठिकानों पर हमला किया, वहीं पाकिस्तान ने एक तरह से भारत के साथ युद्ध छेड़ते हुए हमारे देश के विभिन्न रिहायशी इलाकों और गुरूद्वारा तक पर हमला किया, लेकिन भारतीय सेना बहुत ही सशक्त है और सेना ने पाकिस्तान को करारा सबक सिखाते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया है। सच तो यह है कि पाकिस्तान भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बिलबिला चुका है।

भारत ने जिस तकनीकी दक्षता के साथ पाकिस्तानी हमलों को हर स्थान पर नाकाम किया और जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह किया, वह उत्साहित करने वाला है तथा साथ ही यह दर्शाता है कि हमारी सेनाओं के मुकाबले पाकिस्तानी सेनाएं कहीं भी नहीं ठहरती हैं। सच तो यह है कि भारत पाकिस्तान की किसी भी आक्रामकता का जवाब उतनी ही तीव्रता और उसी शैली में देने में पूरी तरह से सक्षम और एक बहुत ही मजबूत देश है। देश की सीमाओं पर तैनात एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल हो (जिसने पाकिस्तानी मिसाइलों को निष्प्रभावी बना दिया) या फिर हार्पी ड्रोन, भारत ने इनकी मदद से लाहौर के एयर डिफेंस रडार को ध्वस्त/नाकाम कर दिया।सच तो यह है कि आज युद्ध पारंपरिक नहीं रहें हैं और विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान के इस युग में तकनीक युद्ध में बहुत काम आती है।

आज की स्थिति यह है कि भारत अब रक्षा के पारंपरिक तरीकों से कहीं आगे बढ़ चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि पाकिस्तान की हमलों की कार्रवाई पूरी दुनिया के सामने उसकी गैर-जिम्मेदाराना राष्ट्र वाली छवि की ही पुष्टि करती है। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ प्रहार किया, वहां की आम जनता व सैन्य ठिकानों पर नहीं। पाकिस्तान हमलों को लेकर अफवाह पर अफवाहें फैला रहा है। उसके मंसूबे ठीक नहीं हैं, लेकिन हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान का भ्रम कुछेक घंटों में ही दूर कर दिया। हमारी सेनाओं ने पाकिस्तानी हमलों को नाकाम करके सटीकता का परिचय दिया है। सच तो यह है कि भारत के एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने कारगर ढंग से अपना काम किया है। पाकिस्तान हमारे रक्षा तंत्र में सेंध लगाना चाहता था, लेकिन भारत से पार पाना पाकिस्तान के वश की बात नहीं है। सच तो यह है कि भारत के मुकाबले पाकिस्तान कहीं भी नहीं ठहरता है।

आज जहां भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वहीं हमारे देश की सेनाएं पाकिस्तान की तुलना में बहुत बड़ी,काफी उन्नत और मजबूत हैं। हम अपनी सेना पर पाकिस्तान के मुकाबले 9 गुना ज्यादा खर्च कर रहे हैं, वहीं पाकिस्तान दुनिया के सबसे फिसड्डी देशों की श्रेणी में शुमार है और विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के ऋण पर पूरी तरह से निर्भर है। यदि हम यहां पर विश्व बैंक 2024 के आंकड़ों को देखें तो भारत की जीडीपी 3.88 ट्रिलियन डॉलर है, वहीं पर पाकिस्तान की 0.37 मिलियन डॉलर। हमने जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति होने का गर्व हासिल किया और इस समय हम 4.187 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच गए हैं। इतना ही नहीं, हमारे देश का विदेशी मुद्रा भंडार 688 अरब डॉलर है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 15 अरब डॉलर है। पाकिस्तान बरसों-बरसों से आतंकवाद का खूनी खेल खेलता रहा है और उसकी आर्थिक हालत आज बहुत ही पतली हो चुकी है।

पाकिस्तान के हुक्मरान अपने निजी स्वार्थों को भुनाने के लिए आज पाकिस्तान के आवाम को मौत का पैगाम बांट रहे हैं। आज पाकिस्तान में न तो नेतृत्व नाम की कोई चीज़ रही है और न ही पाकिस्तान में नैतिकता नाम ही की कोई चीज़ शेष बची है, और वह भारत पर आनन-फानन में हमले पर हमले कर रहा है, लेकिन पाकिस्तान हर तरफ मुंह की खा रहा है। हमारे देश के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया और लाहौर की रक्षा प्रणाली को पलों में निष्क्रिय कर दिया।

पाठक जानते हैं कि भारत ने लाहौर, इस्लामाबाद, कराची और सियालकोट पर हमला बोला है। बताया जा रहा है कि भारत के इस हमले में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ है।वास्तव में यह भारत की एक बहुत बड़ी सफलता है।भारत एक जिम्मेदार देश है और वह अब भी काफी संयम बरत रहा है। हाल फिलहाल,पाकिस्तान को बहुत क्षति पहुंची है, लेकिन पाकिस्तान इस बात को खुले रूप से स्वीकार नहीं कर रहा है। पाकिस्तान अभी भी लगातार अपने आवाम के बीच सांप्रदायिक उत्तेजना या युद्ध उन्माद पैदा कर रहा है और उसके आला मंत्री भी जिम्मेदारी का परिचय नहीं दे रहे हैं। वे आपस में ही लड़ रहे हैं। भारत के आपरेशन 'सिंदूर' के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। ख़बरें तो यहां तक आ रहीं हैं कि पाकिस्तान ने अपने ही सेना प्रमुख पर कार्रवाई की है। सूत्रों की मानें तो आसिफ मुनीर को हिरासत में ले लिया गया है और पाकिस्तान की सरकार ने उन्हें आर्मी चीफ को हटा दिया है और उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल शाहिद इमरान मिर्जा को पाकिस्तान आर्मी की कमान सौंपे जाने की चर्चा तेज हो गई है। सच तो यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना पर सवाल उठने लगे हैं। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने आर्मी पर आरोप लगाया है कि उसने आतंकियों के ठिकानों से जुड़ी अहम जानकारियां भारत को लीक कीं। यह भी सामने आया है कि बीएलए ने पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर अपने झंडे लगा दिए हैं। पाकिस्तान के कई पायलटों ने तो जंग में जाने तक से इंकार कर दिया बताते हैं।भारत के बड़े हमले में पाक अधिकृत कश्मीर को बड़ा नुकसान हुआ है।

यह भी कि अरब सागर में भारतीय नेवी पाक के करीब पहुंच चुकी है। भारतीय सेना द्वारा एक पाकिस्तानी पायलट भी पकड़ लिया गया है। इतना ही नहीं,अमेरिका से भी पाकिस्तान के लिए बुरी खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान को फटकार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि पेशावर के 20 इलाकों में ताबड़तोड़ धमाके हुए हैं और पाकिस्तान के 10 शहरों में एमरजैंसी लागू कर दी गई है।लाहौर, कराची और इस्लामाबाद में जहां ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है वहीं पर बहावलपुर में बड़ा धमाका हुआ। पाक सीमा पर भारत की तोपें गरज रही हैं, और बहावलपुर में बड़े धमाके के बाद ब्लैकआऊट व एमरजैंसी लागू है। भारतीय नौसेना ने कराची पोर्ट पर भी समुद्री कार्रवाई की है।

इतना ही नहीं, यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में चार अलग-अलग जगहों पर श्रृंखलाबद्ध हमले हुए। हाल फिलहाल, दोनों देशों के बीच युद्ध जैसा तनाव कायम है, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि हम मनोबल को बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। पाकिस्तान लगातार अफवाहों पर अफवाहें फैला रहा है, हमें इनसे बचना होगा।

हमें यह चाहिए कि हम भारतीय सेनाओं के किसी मूवमेंट आदि की फोटो, वीडियो आदि सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर साझा न करें, ब्लैक आउट का ध्यान रखें। कहना ग़लत नहीं होगा कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थाई हल नहीं होता है। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि वह आतंकवाद व युद्ध के बल पर कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता है।

भारत का संदेश हमेशा से ही स्पष्ट रहा है कि वह शांति चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। भारत पंचशील के सिद्धांतों का हमेशा हमेशा से पालन करता आया है और आगे भी करता रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, अनाक्रमण, घरेलू मामलों में गैर-हस्तक्षेप, समानता और पारस्परिक लाभ, और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पंचशील के सिद्धांत हैं।

बहरहाल, 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम आतंकी हमले का जवाब है। इसके विपरीत, भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के पाकिस्तान के विफल मंसूबे दरअसल पाकिस्तान की फितरत को ही दर्शाते हैं। आज युद्ध की आशंकाओं के बीच, देश भर में सिविल डिफेंस डिल, ब्लैक आउट अभ्यास और विभिन्न आपातकालीन तैयारियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो दर्शाता है कि भारत किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।इस माहौल के बीच आज हम सभी को एकजुट और सतर्क रहने की जरूरत है। आज लगभग लगभग पूरा विश्व हमारे साथ है, जबकि पाकिस्तान के साथ बहुत कम देश हैं, क्यों कि सभी पाकिस्तान के बारे में यह बात जानते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ है।

दूसरे शब्दों में कहें तो दशकों-दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद को प्रश्रय देता रहा है, और उसका षड्यंत्रकारी खेल पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि भारत सिर्फ और सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। भारत का मकसद उसके साथ युद्ध करना कतई नहीं है, लेकिन पाकिस्तान नहीं मानता है तो भारत कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगा ही। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि आतंकवाद और उकसावे की नीति से न तो पाकिस्तान का कोई अपना हित सधने वाला है और न ही क्षेत्र में शांति स्थापित होने वाली है। अंत में एक कविता के माध्यम से यही कहूंगा कि -'हे ईश्वर, मालिक, हे दाता, हे जगत नियंता दीनबंधु। हे परमेश्वर प्रभु हे भगवन हे प्रतिपालक हे दयासिंधु।।

सच्चिदानंद घट घट वासी, हे सुखराशि करूणावतार। हे विघ्नहरण मंगलमूर्त, हे शक्तिरूप हे गुणागार। सभ्यता यशस्वी हो जाय, मानवता का फैले प्रकाश।। सब दिव्य दृष्टि के पोषक हो, कर दो कुदृष्टि का सर्व नाश!! इतिहास गढ़े जाएँ प्रतिपल, पृष्ठों में अकलंकता रहे ! सज्जनता का अनुशीलन हो, मानव को पथ का पता रहे!!'

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

नमाजियों ने मस्जिद के बाहर लगाए भारतीय सेना के जयकारे, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

प्रयागराज , एजेंसी। चौक स्थित जामा मस्जिद में जुमे की नमाज अदा कर भारत और भारतीय सेना की सलामती की दुआ मांगी गई। साथ ही भारतीय सेना के अद्भुत साहस, पराक्रम और गौरव की सराहना करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई की सराहना की गई। जुमे की नमाज अदा करने के बाद भारतीय सेना जिंदाबाद, जय जवान जय भारत, पाकिस्तान मुर्दाबाद आदि नारे लगाते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया गया। नमाजियों ने कहा कि आज पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। सेना ने जिस साहस के साथ पाकिस्तान पर कार्रवाई की है वह बहुत ही अद्भुत पराक्रम है।

अंगूठा लगवाकर भी राशन नहीं दे रहा था कोटेदार, दुकान निरस्त

अमरोहा , एजेंसी। पूर्ति विभाग की शिकायतों का दौर कम नहीं हो रहा है। कार्डधारकों से ई-पॉश मशीन पर अंगूठा लगवाकर कोटेदार राशन नहीं दे रहा था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जांच कराई तो मामला सही पाया गया। जिसके बाद डीएम ने कोटेदार की दुकान को निरस्त कर दिया है। साथ ही इस तरह के मामलों को लेकर डीएसओ से कड़ी नाराजगी जाहिर की।

मामला जोया ब्लॉक के गफ्फारपुर का है। डीएम को शिकायत मिली कि राशन डीलर चमन सिंह कार्डधारकों से पिछले तीन माह से कार्डधारकों से ई-पॉश पर अंगूठा तो लगवा रहा है, लेकिन राशन नहीं दे रहा है। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई तो मामला सही पाया गया। जिसके बाद उसकी जमानत राशि का शासन पक्ष में जब्त करते हुए दुकान को निरस्त करने की कार्रवाई कर दी।

उन्होंने कहा कि पूर्ति विभाग में किसी भी तरह की गड़बड़ियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी राशन डीलर द्वारा कार्डधारकों को सरकार द्वारा मिलने वाले निशुल्क राशन में लापरवाही बरती गई। साथ ही किसी भी राशन की दुकान पर यदि घटतौली की शिकायत मिली तो राशन डीलर पर उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु विक्रय वितरण नियंत्रण विनियमन आदेश 2016 के प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज कराते हुए दुकान निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

दुकान से मोबाइल चोरी की घटना का खुलासा, दो पकड़े, सात फोन बरामद

हाथरस, एजेंसी। थाना हाथरस जंक्शन पुलिस ने दुकान से मोबाइल फोन चोरी की घटना का खुलासा किया है। दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। कब्जे से चोरी के सात मोबाईल फोन बरामद किए हैं। विगत 12 अप्रैल को रिंकू पुत्र सुरेश बाबू निवासी ग्राम नगला बास थाना हाथरस जंक्शन ने तहरीर के माध्यम से सूचना दी कि उसकी लाखनू तिराहा लाढपुर में रिंकू मोबाइल सेंटर के नाम से दुकान है । 10 अप्रैल को रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान की पटिया हटाकर मोबाइल फोन चोरी कर लिये। मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। पुलिस टीम ने सर्विलांस सेल की टेक्निकल इंटेलिजेंस, सीसीटीवी कैमरे आदि से मिली सूचना प्राप्त की। 8 मई को मोबाइल चोरी की घटना का सफल अनावरण कर दिया गया। दो अभियुक्तो को जलालपुर नहर पुल से गिरफ्तार किया है । जिनके कब्जे से चोरी के सात मोबाईल फोन बरामद किए हैं । अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हाथरस जंक्शन पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

ऑटो में पांच की जगह बैठा रहे 12 स्कूली बच्चे

आजमगढ़। स्कूल खुलते ही मासूमों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ शुरू हो गया है। स्कूली बच्चे निजी वाहनों से ढोए जा रहे हैं। ऑटो में पांच की जगह 10 से 12 बच्चों को भूसे की तरह ठूंसकर ले जाया जा रहा है। कई वाहन अनफिट होने के बावजूद सड़कों पर दौड़ रहे है। इन वाहनों पर कार्रवाई न होने से बच्चों की जिंदगी को खतरे में डाला जा रहा है। प्रदेश के किसी भी जिले में यदि कोई घटना घटती है तो प्रशासन से लेकर शासन स्तर पर सख्ती बढ़ जाती है। कुछ दिन तक सब कुछ सख्ती से चलता है। इसके बाद फिर से उसी रास्ते पर चलने लगते हैं। इसकी बानगी जिले में भी

लखनऊ में छावनी और एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ी, खुफिया तंत्र सक्रिय, छुट्टियां हो सकती हैं रद्द

लखनऊ , एजेंसी। भारत और पाकिस्तान बीच तनावपूर्ण माहौल के चलते उत्तर प्रदेश में छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है।

ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

छावनी-सुरक्षा बढ़ी, खुफिया तंत्र मुस्तैद

बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के मिसाइल हमलों के प्रयास के बाद भारत ने जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की है। चूंकि लखनऊ में सेना की सबसे बड़ी मध्य कमान का मुख्यालय है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता किया गया है। सूत्र बताते हैं कि छावनी में सभी प्रवेश मार्गों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीसीटीवी से हर आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। वाहनों की भी जांच हो रही है। प्रपत्र व पहचान पत्र जांचे जा रहे हैं। संदिग्धों पर खास नजर है। कमांड अस्पताल व बेस अस्पताल के आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई है। सूत्र बताते हैं कि सेना का खुफिया तंत्र और लोकल इंटेलीजेंस छावनी के साथ शहर के अलग-अलग प्रमुख इलाकों पर पैनी नजर रखे हुए है। सिविल पुलिस, सेना, आईबी आदि के साथ समन्वय स्थापित कर सूचनाओं को साझा भी किया जा रहा है।

रेलवे-ड्रोन से होगी रेलवे स्टेशन और रूट की निगहबानी

युद्ध जैसे हालात देखते हुए रेलवे प्रशासन आरपीएफ व जीआरपी जवानों की छुट्टियां रद्द कर सकता है। इसके लिए जवानों को सूचित किया गया है, हालांकि अफसर अभी खुलकर कुछ नहीं बता रहे। स्टाफ की कमी के चलते छुट्टियां निरस्त कर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने की तैयारी है। रेलवे सूत्र बताते हैं कि चारबाग व लखनऊ जंक्शन सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। अफसर इसकी तैयारी में जुट गए हैं। ड्रोन का ऑपरेशन कंट्रोल रूम से किया जाएगा। स्टेशनों पर इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम को अपग्रेड किया गया है। 155 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है।

54 ट्रेनों में एस्कॉर्ट बढ़ेगा

ट्रेनों में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है। संदिग्ध यात्रियों की औचक जांच होगी। लखनऊ के रास्ते आने-जाने वाली 54 ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जाएगा, जिससे ट्रेनों में अप्रिय घटना को होने से रोका जा सके।

एयरपोर्ट: अतिरिक्त समय लेकर पहुंचें यात्री

अमौसी एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वह अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे। सीएसआईएफ जवान बोर्डिंग व विमान में प्रवेश से पहले यात्रियों की गहन जांच कर रहे हैं। परिसर में बुलेटप्रूफ वाहनों से गश्त की जा रही है। यहां सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई है। चप्पे-चप्पे पर सीएसआईएफ नजर रखे हुए है।

सीएम योगी बोले- सोशल मीडिया की अफवाहों से बचें... भारत हर हाल में विजयी रहेगा

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला किया था... प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प था और हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है... हमें अपने सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होना है और उनका मनोबल बढ़ाना है... आज आप पाकिस्तान को दुनिया के सामने कराहते हुए देख सकते हैं... सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाएंगी। हमें प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में काम करते रहना है। भारत हर परिस्थिति में विजयी है और आगे भी विजयी रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को लखनऊ के महाराणा प्रताप चौक, हुसैनगंज चौराहा के पास महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा के सौन्दर्यीकरण का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला किया था... प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प था और हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है... हमें अपने सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होना है

प्रशासन ने कसी कमर, लगातार की जा रही निगरानी: बता दें कि देश में तनावपूर्ण हालातों के बीच छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है। ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

प्रयागराज एयरपोर्ट में सभी तरह के विजिटर पास पर लगी रोक, चप्पे-चप्पे पर रखी जा रही पैनी नजर

प्रयागराज, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध की स्थिति को देखते हुए प्रयागराज एयरपोर्ट पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी गई। यहां पर विजिटर पास पर रोक लगा दी गई है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे तीन घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते बाहर घूमने के लिए एयरपोर्ट पर आवाजाही इन दिनों कुछ अधिक बढ़ गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद विमान कंपनियों ने उड़ानों पर समीक्षा शुरू कर दी है। सरकारी आदेश के तहत एयरपोर्ट पर अपने परिजनों, दोस्त और रिश्तेदारों को छोड़ने या रिसीव करने के लिए लोग विजिटर पास लेकर एयरपोर्ट के भीतर प्रवेश करते हैं।

सीमा पर तनाव और युद्ध की स्थिति के चलते एहतियातन विजिटर पास को बंद कर दिया गया है। साथ ही एयरपोर्ट पर तीन घंटे पहले ही पहुंचने का फरमान जारी कर दिया गया है। इन दिनों गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए यात्रियों ने शिमला, मनाली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अमृतसर, जैसलमेर, उत्तराखंड, सहित अन्य शहरों में जाने के लिए टिकट की बुकिंग कराई थी। कई विमानन कंपनियां फुल रिफंड या यात्रा की तिथि आगे बढ़ाने का निःशुल्क विकल्प दे रही हैं।

प्रयागराज एयरपोर्ट और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर दिया गया है। किसी अनहोनी की आशंका को लेकर प्रशासन सतर्क हो है। शुक्रवार से एयरपोर्ट पर यात्रा करने वालों को अब दोहरी जांच से गुजरना होगा। यात्रियों का हैंड बैगेज पहले की तरह सीआईएसएफ द्वारा जांचा जाएगा।

विजिटर्स पास पर रोक, जवानों की छुट्टी रद्द: फिलहाल विजिटर्स पास जारी करने पर रोक लगा दी गई है। सीआईएसएफ जवानों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं और छुट्टी पर गए जवानों को 24 घंटे में ड्यूटी पर लौटने का निर्देश दिया गया है। एयरपोर्ट परिसर में दिन-रात गश्त बढ़ा दी गई है और हर 30 मिनट पर डॉग स्क्वॉड द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बम निरोधक दस्ते और सीसीटीवी की निगरानी भी तेज़ कर दी गई है।

एहतियात के तौर पर संगम तट पर स्थित विशाल शंकर विमान मंडपम मंदिर की लाइट को बंद कर दिया गया है। महाकुंभ के दौरान मंदिर की लाइट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी थी। महाकुंभ मेला शुरू होने से पहले ही चार तल वाले इस विशाल मंदिर को आकर्षक रंग बिरंगी लाइट से सजाया गया था। साथ ही मंडप पर भी कलरफुल बल्व लगाए गए थे जिससे दूर से ही मंदिर दिखता था। संगम तट पर महाकुंभ के दौरान लगी लाइट और खंभों को भी हटा दिया गया है। हालांकि यहां पर खंभों को हटाने का कार्य पहले से ही शुरू था लेकिन पाकिस्तान पर स्ट्राइक के बाद शंकर विमान मंडप के साथ ही संगम की रेती पर जल रही लाइटों को बंद करा दिया गया है।

अखिलेश यादव की मांग, महाराणा प्रताप जयंती पर दो दिन का हो सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ , एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति में महापुरुषों को नहीं लाना चाहिए और न ही किसी दल को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने महाराणा प्रताप की जयंती पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश दिए जाने की मांग भी की। साथ ही कहा कि भाजपा के एजेंडे में न कभी नौकरी रही और न कारोबार।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाई जाएगी, जिसके हाथ में चमकती हुई सोने की तलवार होगी।

एक सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक जाति के नहीं है, बल्कि सभी के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के एजेंडे में कारोबार नहीं है, इसलिए सैकड़ों वर्षों से लग रहे मेलों का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि जब देश युद्ध में उलझा हुआ है सरकार गुपचुप ढंग से एलओआई (आशय पत्र) जारी कर रही है। उधर, प्रदेश सपा मुख्यालय पर शुक्रवार को क्षत्रियों के प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और पूर्व सांसद अरविंद सिंह का विशेष सहयोग रहा।

हाईकोर्ट ने बलिया के एसपी को लगाई फटकार, कहा- यह हाईकोर्ट है कोई भी कोर्ट नहीं

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट को भेजे गए जवाब में शब्दों का गलत चयन करने पर हाईकोर्ट ने बलिया के पुलिस अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाई है। कहा कि यह हाईकोर्ट है, कोई भी न्यायालय नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि तहसीलदार राज्य के एक अधिकारी हैं वह एसपी के अधीन नहीं हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बलिया के पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट एक प्रतिष्ठित संस्था है और यह न्यायालय है, कोई भी न्यायालय नहीं। पुलिस अधीक्षक को अपने हलफनामा में शब्दों के चयन के बारे में सावधान रहना होगा। कोर्ट ने एसपी को तीन दिन के भीतर नया और उपयुक्त हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने गजेंद्र उर्फ धर्मात्मा की याचिका पर दिया।

बलिया के गजेंद्र रसड़ा निवासी हैं। सार्वजनिक उपयोग की जमीन को कुछ लोगों ने अतिक्रमण किया था। जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जनहित याचिका दाखिल की। कोर्ट के आदेश पर तहसीलदार ने मौका मुआयना किया और अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया, लेकिन पत्थर बाजी होने के चलते अतिक्रमण नहीं हटा पाए। इस पर कोर्ट ने एसपी से शपथपत्र मांगा था।

एसपी ने कोर्ट में प्रस्तुत हलफनामे में कहा कि उन्हें तहसीलदार, रसड़ा, बलिया से अतिक्रमण हटाने के लिए कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वह च्किसी भी अदालतज्ञ के आदेशों का पालन करने को हमेशा तैयार रहते हैं। अदालत ने च्किसी भी अदालत जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि न्यायालय एक सम्मानित संस्था है और उसे इस प्रकार साधारण संदर्भ में नहीं लिया जा सकता। न्यायालय ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को निर्देश दिया है कि यह आदेश 24 घंटे के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बलिया के माध्यम से पुलिस अधीक्षक तक पहुंचा दिया जाए। अगली सुनवाई नौ मई नियत की गई है।

न्यायालय ने एसपी के इस बात पर भी आपत्ति जताई कि पुलिस बल के लिए तहसीलदार से कोई अनुरोध नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि तहसीलदार एक सहायक कलेक्टर हैं और वह राजस्व विभाग में राज्य का एक अधिकारी होता है। वह एसपी के अधीन नहीं हैं। अगर तहसीलदार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने जा रहा है तो वह एसपी को एक मांग पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी देगा। एसपी को स्वयं यह आकलन करना होगा कि उक्त कार्रवाई के लिए कितने पुलिस बल की आवश्यकता है। ताकि बेदखली आदेश का पालन करने के लिए राज्य को शर्मिंदगी न उठानी पड़े।

बुलंद दरवाजा परिसर में जनाना रोजा का छज्जा गिरा, मची अफरा-तफरी; बाल-बाल बचे पर्यटक

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहपुर सीकरी स्मारक में तेज बारिश के कारण बुलंद दरवाजा के जनाना रोजा का छज्जा गिर गया। तेज आवाज से पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया। इसकी मरम्मत की रिपोर्ट बनाकर भेज दी है।

शाम को करीब 4 बजे तेज बारिश हुई। इसी बीच बुलंद दरवाजा परिसर के अंदर जनाना रोजा का छज्जा गिर पड़ा। गनीमत रही कि छज्जा के नीचे कोई पर्यटक नहीं था। संरक्षण सहायक दिलीप सिंह ने बताया कि तेज बारिश के कारण जनाना रोजा का छज्जा गिर गया है। मरम्मत कराई जाएगी। मुख्यालय

में भी इसकी जानकारी दे दी है।

मुगलकालीन 450 साल पुरानी ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण में लापरवाही बरती जा रही है। इसके जर्जर भवनों की मरम्मत नहीं की जा रही। इसके चलते पूर्व में भी कई बार पत्थर गिर चुके हैं। खासतौर पर महल परिसर और हिरन मीनार के बीच के हिस्से में स्मारकों का संरक्षण नहीं होने के चलते कई बार हादसे भी हो चुके हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल फतेहपुर सीकरी के संरक्षण के बजाय एएसआई का पूरा ध्यान ताजमहल तक ही सिमट गया है। बता दें कि फतेहपुर सीकरी मुगल काल में अकबर की राजधानी रही थी।

120 रुपये किलो का आम, 10 से 20 रुपये जूस का दाम, कुछ तो गड़बड़ है

आजमगढ़ , एजेंसी। गर्मी की तेज धूप में अगर कोई चीज सबसे ज्यादा राहत देती है तो वह है ठंडा और मीठा जूस। इसमें भी फलों का राजा और सीजन का सबसे उम्दा फल आम मिल जाए तो क्या कहने हैं। लेकिन धंधेबाजों ने मुनाफाखोरी के लिए आम के जूस को भी नहीं छोड़ा है।

100 से 120 रुपये किलो बिक रहे आम का एक गिलास जूस महज सड़क के किनारे और फुटपाथों पर महज 10 से 20 रुपये में मिल जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह जूस आम के फलों से तैयार हो रहा है या सिर्फ आर्टिफिशियल फ्लेवर का चमत्कार है? इसकी कोई गारंटी नहीं है।

मंडलीय जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. अतुल श्रीवास्तव की मानें तो मिलावटी आम के जूस का सेवन सीधे पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे कई गंभीर बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है। बाजार में जूस कॉर्नरों पर धड़ल्ले से 10 रुपये से लेकर 20 रुपये तक आम का शेक बेचा जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह आम का नहीं, बल्कि केमिकल और बर्फ मिक्स रस है। इसमें आम की मात्रा नाम मात्र की होती है। आम जैसा स्वाद लाने के लिए इसमें एसेंस और कलर के लिए दूध के अलावा अन्य केमिकल्स मिलाए जाते हैं। इसे लोगों को 10 रुपये में बेचा जा रहा है। दूषित पेय पीने से डायरिया, फूड प्वॉइजिंग, आंत में इंफेक्शन, अल्सर, गुर्दे और लीवर पर प्रभाव आदि बीमारियां हो सकती हैं।

मैं जब बीसीसीआई अध्यक्ष था तो रोहित शर्मा महान कप्तान थे - गांगुली

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और विश्व क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिसने क्रिकेट जगत में एक युग के अंत की शुरुआत की। रोहित ने 7 मई 2025 को अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा, और उनका आखिरी टेस्ट मैच 26 दिसंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला गया था। बीसीसीआई ने इस अवसर पर रोहित को ÷हिटमैन÷ के रूप में सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की और पुष्टि की कि वह वनडे क्रिकेट में भारत का नेतृत्व करना जारी रखेंगे।

इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने रोहित की उपलब्धियों की प्रशंसा की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। गांगुली ने कहा कि वह (रोहित) भारत के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें मेरी शुभकामनाएं। उनका करियर शानदार रहा है, और वह भारत के लिए वनडे और आईपीएल में खेलना जारी रखेंगे। गांगुली ने यह भी उल्लेख किया कि रोहित ने कप्तान के रूप में भारत को कई यादगार जीत दिलाई, और बीसीसीआई का काम खिलाड़ियों का समर्थन करना है।गांगुली ने रोहित की कप्तानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब वह बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तब उन्होंने 2021 में रोहित को भारतीय टीम का कप्तान बनाया था। उस समय इस फैसले की काफी आलोचना हुई थी, खासकर जब विराट कोहली ने टी20 कप्तानी छोड़ी थी। गांगुली ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब मैंने रोहित को कप्तान बनाया था, तब मुझे बहुत गालियां मिली थीं। लेकिन अब, जब उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीता, तो लोगों ने मुझे गाली देना बंद कर दिया। गांगुली का मानना था कि रोहित में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी, जो उन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच आईपीएल खिताब जिताकर पहले ही साबित कर दी थी।

हालांकि, गांगुली ने रोहित के टेस्ट फॉर्म पर भी चिंता जताई थी। मार्च 2025 में, उन्होंने कहा कि रोहित का पिछले 4-5 वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन उनकी क्षमता के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने कहा कि उनके कद और क्षमता वाला खिलाड़ी इससे कहीं बेहतर कर सकता था। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों के लिए अपनी सोच पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह एक कठिन सीरीज होगी। गांगुली ने यह भी सुझाव दिया कि रोहित को टेस्ट क्रिकेट में वही आक्रामकता और जुनून दिखाना चाहिए, जो उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में दिखाया

बता दें कि रोहित ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में की थी, जहां उन्होंने 177 रनों की शानदार पारी खेली। अपने 12 साल के टेस्ट करियर में, रोहित ने 67 टेस्ट मैचों में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन रहा।

यशस्वी जायसवाल का यू-टर्न, पत्र लिखकर फिर से मुंबई के लिए खेलने की अनुमति मांगी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनुरोध किया है कि उन्हें घरेलू दिग्गजों के साथ बने रहने की अनुमति दी जाए। उनका यह फैसला गोवा में जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगने के एक महीने बाद आया है।

अप्रैल में जायसवाल ने गोवा में जाने के लिए एमसीए को पत्र लिखकर सभी को चौंका दिया था। अपनी ओर से स्त्र्ट ने भी जायसवाल के अनुरोध को तुरंत मंजूरी दे दी थी। जायसवाल द्वारा एमसीए को लिखा गया ईमेल है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह अगले घरेलू सत्र में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध हैं। जायसवाल ने लिखा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे दिए गए एनओसी को वापस लेने के मेरे अनुरोध पर विचार करें क्योंकि गोवा में जाने की मेरी कुछ पारिवारिक योजनाएं थीं, जिन्हें फिलहाल रोक दिया गया है!

उन्होंने कहा, इसलिए मैं ईमानदारी से स्त्र्ट से अनुरोध करता हूं कि मुझे इस सत्र में मुंबई के लिए खेलने की अनुमति दी जाए! मैंने बीसीसीआई या गोवा क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी नहीं सौंपी है!। जायसवाल उत्तर प्रदेश के भदोही से मुंबई चले गए और पिछले कुछ वर्षों में भारत के लिए सभी प्रारूपों में पदार्पण करने के लिए रैंक के माध्यम से आगे बढ़े, ऐसा भी माना जाता था कि कप्तान बनने की संभावना के कारण वे मुंबई से गोवा चले गए थे।

व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर ने शायद 23 वर्षीय जायसवाल को गोवा के साथ बिताने के लिए बहुत समय नहीं दिया होगा, लेकिन उनका कप्तान बनने से उन्हें प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में कुछ अनुभव प्राप्त होगा। गोवा क्रिकेट संघ के सचिव शंबा देसाई ने पहले पुष्टि की थी कि जायसवाल उनके कप्तान होंगे और गोवा टीम को 2025-26 सीजन से पहले प्लेट डिवीजन से एलीट में अपग्रेड किया जाएगा।

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच खिलाड़ियों ने भारतीय सशस्त्र बलों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधू, रोहित शर्मा, विराट कोहली, वीरेंद्र सहवाग सहित भारत की शीर्ष खेल हस्तियों ने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के खिलाफ देश की सैन्य कार्रवाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उन्हें 'भारत की आत्मा' करार दिया। भारत ने जम्मू और पठानकोट सहित अपने सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की पाकिस्तान की कोशिशों को गुरुवार रात को तुरंत विफल कर दिया था।

रोहित ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'हर गुजरते पल के साथ, हर फैसले के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना पर बेहद गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। प्रत्येक भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी फर्जी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना महत्वपूर्ण है। सभी सुरक्षित रहें। ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद।

विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम इस कठिन समय में हमारे देश की रक्षा करने के लिए अपने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें सलाम करते हैं। हम अपने नायकों की अटूट बहादुरी के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे और हमारे महान

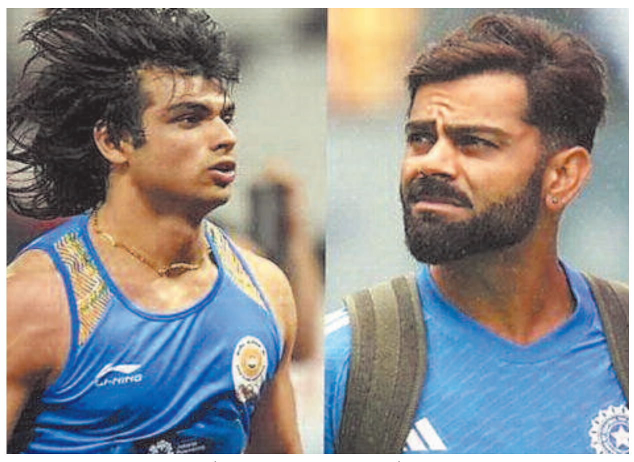

राष्ट्र के लिए उनके और उनके परिवारों द्वारा किए गए बलिदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हमें अपने बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं। आइए अपनी भूमिका निभाएं और इस दौरान सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों का पालन करें।

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने पोस्ट किया, 'भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए - आपका साहस, अनुशासन और बलिदान हमारे राष्ट्र की आत्मा हैं। ऑपरेशन सिंदूर जैसे क्षणों में, हमें उस मौन शक्ति और निस्वार्थ सेवा की याद आती है जो हमारे तिरंगे को ऊंचा रखती है। भारत आपके साथ खड़ा है। जय हिंद।

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच सुरक्षा कारणों से बीच में रोककर रद्द करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। पूर्व सलामी बल्लेबाज सहवाग ने मौजूदा हालात के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। सहवाग ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पाकिस्तान ने युद्ध का विकल्प तब चुना है जब उनके पास चुप रहने का मौका था। वे अपनी आतंकवादी संपत्तियों को बचाने के लिए आगे बढ़े हैं, उनके बारे में इतना कुछ बोलते हैं। हमारी सेनाएं सबसे उचित तरीके से जवाब देंगी, जिसे पाकिस्तान कभी नहीं भूलेगा।

शिखर धवन ने भी भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। धवन ने ट्वीट किया, 'हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर दिलों को सम्मान। भारत मजबूत है। जय हिंद। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने भी शामिल थे।

विश्व कप विजेता पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत ने कहा, 'हमारे दिल और प्रार्थनाएं सीमा पर खड़े हमारे सैनिकों के लिए हैं। अब समय आ गया है कि हम एकता और विश्वास के साथ उनके पीछे खड़े हों। हमारे बहादुर हमारी भूमि की रक्षा करें और दुनिया को दिखाएं कि भारत वास्तव में किसके लिए है। जय हिंद इसे हमारे लिए जीतें।

पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा, 'आइए हम सभी अपने बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों के पीछे खड़े हों क्योंकि वे हमारे देश की रक्षा करते हैं। हम हमेशा आपके साथ हैं।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच रद्द नहीं होगी पाकिस्तान सुपर लीग, विदेश में खेले जाएंगे बचे हुए मैच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के साथ चल रहे सैन्य टकराव के कारण शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग के बाकी बचे मैचों को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने का फैसला किया, क्योंकि टूर्नामेंट में भाग ले रहे विदेशी खिलाड़ी चिंतित हैं। पीसीबी ने शुक्रवार की सुबह बयान जारी करके कहा कि टूर्नामेंट के आखिरी आठ मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किए जाएंगे। पहले इनका आयोजन रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में होना था।

बयान के अनुसार इन मैचों का कार्यक्रम निर्धारित समय पर साझा कर दिया जाएगा। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आरोप लगाया कि भारत ने पीएसएल को बाधित करने के लिए पाकिस्तान के अंदर हालिया हमले में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को निशाना बनाया था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने हालांकि स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान द्वारा बुधवार रात भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 15 स्थानों पर हमला करने की कोशिश के बाद गुरुवार को केवल वायु रक्षा रडार और प्रणाली को निशाना बनाया गया था।

नकवी ने दावा किया, 'रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को निशाना बनाने की बेहद गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक भारतीय कार्रवाई को देखते हुए, जो स्पष्ट रूप से चल रहे पाकिस्तान सुपर लीग को बाधित करने के लिए किया गया था, पीसीबी ने शेष मैचों को यूएई में स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

पीसीबी प्रमुख ने कहा कि घरेलू और विदेशी क्रिकेटरों की चिंताओं का उचित समाधान करने के लिए टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा, 'एक जिम्मेदार संगठन के रूप में हमारे लिए पीएसएल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की मानसिक रूप से मजबूती सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था। इससे पहले गुरुवार को पीसीबी ने रावलपिंडी स्टेडियम में पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच निर्धारित मैच रद्द कर दिया था। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों में कहा गया है कि लीग में भाग ले रहे इंग्लैंड के खिलाड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

जूलियस सुमेरौअर ने टी20 लीग में जड़ी 11 गेंदों पर फिफ्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। ईसीएस जर्सी टी10 लीग के दौरान सेंट्रल कमांडर्स और साउदर्न स्पिटफायर्स के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। यह बल्लेबाज जूलियस सुमेरौअर के कारण चर्चा में रहा जिन्होंने महज 11 गेंदों पर अर्धशतक लगाया लेकिन उनकी टीम फिर भी जीत नहीं पाई। रोमांचक मुकाबले में साउदर्न स्पिटफायर्स ने पहले खेलते हुए महज एक विकेट खोकर ही 10 ओवर में 172 रन बना दिए थे। जवाब में खेलने उतरी सेंट्रल कमांडर्स टीम 5 विकेट खोकर 163 रन ही बना पाई। जूलियस सुमेरौअर ने 12 गेंदों पर 2 चौके और 7 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। यह टी10 की संभवत~ सबसे तेज फिफ्टी रही।

साउदर्न स्पिटफायर्स ~ 172-1 (10 ओवर)

जैक ट्राइब के साथ स्टीव बुलेन ने साउदर्न के लिए ओपनिंग की थी। जैक जब पांचवें ओवर में 10 गेंदों पर 17 रन बनाकर आऊट हो गए तो स्टीव ने एडवर्ड के साथ मिलकर विरोधी टीम के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। स्टीव ने जहां 29 गेंदों पर 9 चौके और पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए तो वहीं, एडवर्ड ने 21 गेंदों पर 22 चौके और 10 छक्कों की मदद से 74 रन जड़ दिए और स्कोर 172 तक पहुंचा दिया। सेंट्रल के लुई सबसे महंगे गेंदबाज रहे जिन्होंने दो ओवर में 46 रन लुटा दिए।

सेंट्रल कमांडर्स ~ 163-5 (10 ओवर)

सेंट्रल को जूलियस सुमेरौअर और बेन हैलिस ने धमाकेदार शुरूआत दी। दोनों ने 2.2 ओवर में ही पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़ दिए। बेन 8 गेंदों पर 21 रन बनाकर आऊट हुए। चौथी ओवर में जुलियस भी 12 गेंदों पर 2 चौके और 7 छककों की मदद से 51 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद स्कॉट वेन ने 12 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 32 रन बनाए। मध्यक्रम में डोमिनिक और जोल के फेल हो जाने के बाद स्कॉट सिंपसन ने 10 गेंदों पर 21 तो अभिषेक ने 11 गेंदों पर 23 रन बनाए लेकिन टीम 163 रन ही बना पाई और 9 रन से मुकाबला गंवा दिया।

बहन डर गई... धर्मशाला में मैच रद्द होते ही घबराई आईपीएल चीयरलीडर्स

धर्मशाला (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में जब पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला फ्लड लाइट्स में खराबी के कारण रद्द हुआ तो स्टेडियम में फैले अंधेरे से एक चीयरलीडर्स डर गई। उसने सोशल मीडिया पर धर्मशाला के मैदान से एक वीडियो शेयर की है जिसमें वह स्थितियों के कारण डरी हुई दिख रही हैं। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के बीच मैच को पहली पारी के बीच में ही रद्द कर दिया गया था।

एक वीडियो में उसने कहा कि मैच के बीच में स्टेडियम को खाली करवा दिया गया था और लोग बम आने वाले हैं चिल्ला रहे थे। उसे उम्मीद थी कि आईपीएल अधिकारियों से उसे मदद

मिलेगी ताकि वह धर्मशाला से सुरक्षित बाहर निकल सके। उसने वीडियो में कहा- तो मूल रूप से, खेल के बीच में पूरे स्टेडियम को खाली करा दिया गया था, और यह बहुत डरावना था। हर कोई बस चिल्ला रहा था कि बम आ रहे हैं। यह अभी भी बहुत डरावना है। हम वास्तव में धर्मशाला से बाहर जाना चाहते हैं, और मुझे उम्मीद है कि आईपीएल के लोग हमारा ख्याल रखेंगे। यह बहुत डरावना है। मुझे नहीं पता कि मैं क्यों नहीं रो रही हूँ। मुझे लगता है कि मैं अभी भी सदमे में हूं (कि) क्या हो रहा है। उक्त वीडियो को एक सोशल मीडिया यूजर्स ने शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा- आईपीएल मैच रद्द होने के बाद भारत में दहशत का माहौल। बहन डर गई बहन डर गई।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उल्लेख किया कि खिलाड़ियों, सहयोगी कर्मचारियों और प्रसारण दल को धर्मशाला से बाहर लाने के लिए एक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की जाएगी।

रोहित शर्मा ने भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा की

मुझे हमारी भारतीय सेना पर बहुत गर्व है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना की प्रशंसा की क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के तहत पड़ोसी देश में 9 स्थानों पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के बाद से ही तनाव बना हुआ है जिसे भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था।

रोहित शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, हर बीतते पल के साथ, हर लिए गए निर्णय के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना पर बहुत गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। हर भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी झूठी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना ज़रूरी है।

क्या एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगा भारत

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के कारण इस समय यह बहुत कम संभावना है कि भारत बांग्लादेश (अगस्त) का दौरा करेगा और इस साल के अंत में एशिया कप (सितंबर) में भाग लेगा। यह विश्वसनीय रूप से माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जरूरत पड़ने पर आईपीएल के शेष मैचों को पूरा करने के लिए इस समय का इस्तेमाल कर सकता है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वर्तमान में एक ऐसी विंडो पर काम कर रहा है, जहां वे आईपीएल 2025 के शेष 17 मैचों (धर्मशाला मैच भी शामिल है, जो बीच में ही रद्द कर दिया गया था) का आयोजन कर सकें, जिसमें दो क्वालीफायर, एक एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं।

भारत को जून के पहले सप्ताह में पांच मैचों के टेस्ट दौरे के लिए इंग्लैंड जाना है और अगर तनाव जल्दी कम नहीं होता है तो बीसीसीआई के लिए अगस्त-सितंबर का समय टूर्नामेंट को पूरा करने का एकमात्र अवसर हो सकता है। भले ही आईपीएल

भारत के बांग्लादेश दौरे और एशिया कप से पहले पूरा हो जाए, लेकिन यह पूरी तरह से संभव नहीं है। बीसीसीआई इस रुख को नरम करने के मूड में नहीं दिख रहा है। गुरुवार रात धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड अब यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी खिलाडी, सहयोगी स्टाफ सदस्य सुरक्षित रहें और किसी तरह की घबराहट की स्थिति में न हों। शुक्रवार को आईपीएल के सभी खिलाड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच के लिए लखनऊ में थे जिसे भी रद्द कर दिया गया है। इसी के साथ ही पूरी लीग को ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।